भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 298 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 23 अक्टूबर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

अमीरों को भी लगवाना पड़ा आम आदमी की तरह टीका, नहीं पनपने दिया वीआईपी कल्चर : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 100 करोड़ वैक्सीन का टारगेट पूरा होने के मौके पर पीएम मोदी ने आज देश को संबोधन किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने टीकाकरण में वीआईपी कल्चर न होने की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया कि वीआईपी कल्चर कोरोना के खिलाफ चल रहे टीकाकरण अभियान पर हावी न हो।यह भी सुनिश्चित किया गया कि भारत के सभी नागरिकों को उनकी स्थिति और पैसे की परवाह किए बगैर टीके लगाए जाएं। एक अरब से अधिक टीकाकरण की रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल करने के एक दिन बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा, ड्डसबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन' यह पहल सभी को साथ लेकर शुरू की गई थी। देश का एक ही मंत्र था- अगर कोविड-19 बीमारी भेदभाव नहीं करेगी तो टीकाकरण में भी भेदभाव नहीं हो। इसलिए,

यह सुनिश्चित किया गया कि वीआईपी कल्चर टीकाकरण अभियान पर हावी न हो। पीएम नो कहा, ठ सबको साथ लेकर देश ने 'सबको वैक्सीन-मुफ़्त वैक्सीन' का अभियान शुरू किया। गरीब-अमीर, गाँव-शहर, दूर-सुदूर, देश का एक ही मंत्र रहा कि अगर बीमारी भेदभाव नहीं नहीं करती, तो वैक्सीन में भी भेदभाव नहीं हो सकता! इसलिए ये सुनिश्चित किया गया कि वैक्सीनेशन अभियान पर वीआईपी कल्चर हावी न होठप्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 संकट की शुरुआत में ही यह आशंका पैदा होने लगी थी कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए इस महामारी से लड़ना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, कोरोना महामारी की शुरुआत में ये भी आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं कि भारत जैसे लोकतंत्र में इस महामारी से लड़ना बहुत मुश्किल होगा। भारत के लिए, भारत के लोगों के लिए ये भी कहा जा रहा था कि इतना संयम, इतना अनुशासन यहाँ कैसे चलेगा? लेकिन हमारे लिए लोकतन्त्र का मतलब है-'सबका साथ शुक्रवार को अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने वैक्सीन को लेकर होने वाली हिचकिचाहट पर भी बात की। जिसकी चर्चा अभी भी दुनिया भर में हो रही है। मोदी ने कहा कि कई विकसित देशों में वैक्सीन की हिचकिचाहट एक बड़ी चुनौती है।

39 महिला अफसरों को सेना में मिलेगा स्थायी कमीशन, एससी में जीती बड़ी कानूनी लड़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना में महिला अधिकारियों को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को आदेश दिया कि सात दिनों के अंदर 39 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का आदेश किया जाए। साथ ही उन 25 अधिकारियों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिन पर कमीशन के लिए विचार नहीं किया गया था। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और बीवी नागरतन की पीठ में सेना की महिला अधिकारियों की ओर अवमानना याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से एएसजी संजय जैन ने कोर्ट को बताया कि 72 में से एक महिला अफर ने सर्विस से रिलीज की अर्जी दी है। सरकार ने बाकी 71 महिला अफसरों पर पुनर्विचार किया, जिसमें सिर्फ 39 महिला अफसरों को स्थायी कमीशन दिया जा सकता है। केंद्र की तरफ से बताया गया कि 71 में से 7 मेडिकल रूप से अनफिट पाए गए हैं और 25 अधिकारियों को स्थायी कमीशन इसलिए नहीं दिया जा सकता क्योंकि उनकी प्रोगेस रिपोर्ट में अनुशासनहीनता समेत कई खामियां हैं। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 8 अक्टूबर को सेना से कहा था कि वे अपने स्तर से मामले को निपटाएं, ऐसा न हो कि हमे आदेश देना पड़े।

उधर, सुप्रीम कोर्ट ने 25 मार्च 2021 को फैसला सुनाया था कि जिन महिलाओं के स्पेशन सलेक्शन बोर्ड में 60 फीसदी अंक मिले हैं और जिनके खिलाफ अनुशासनहीनता के मामले नहीं हैं, उन्हें सेना स्थायी कमीशन दे।

पंजाब पाकिस्तानी दोस्त के आईएसआई लिंक की जांच पर कैप्टन का जवाब, कहा- यूपीए सरकार ने भी दी अरूसा को आने की मंजूरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तानी पत्रकार अरूसा आलम एक बार फिर पंजाब की राजनीति का मुद्दा बन गई हैं। पंजाब के उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा ने कहा है कि उनकी सरकार कैप्टन अमरिंदर की दोस्त अरूसा की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से लिंक की जांच कराएगी। सुखजिंदर के आरोपों पर पलटवार करते हुए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि चननी सरकार को जनता से किए वादे पूरे करने पर ध्यान देना चाहिए। कैप्टन ने यह भी कहा कि अरूसा केंद्र सरकार से मंजूरी लेकर आती हैं और यूपीए सरकार ने भी उन्हें इजाजत दी।कैप्टन अमरिंदर के सलाहकार रवीन ठुकराल ने पूर्व सीएम का बयान जारी किया। इसमें कैप्टन ने कहा, सुखजिंदर आप मेरी कैबिनेट में मंत्री थे। आपको कभी अरूसा आलम के बारे

में शिकायत करते नहीं सुना। वह 16 सालों से भारत सरकार की मंजूरी लेकर आती रही हैं। आप एनडीए और कांग्रेस की अगुआई वाली यूपीए सरकार पर भी पाकिस्तान की आईएसआई से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। कैप्टन ने आगे कहा, अब आप निजी हमले कर रहे हो। सत्ता में आने के एक महीने बाद आपको जनता को दिखाने के लिए बस यही है। बरगारी और ड्रग्स केसों पर आपके बड़े वादों का क्या हुआ? पंजाब आपको वादों पर अमल का अब तक इंतजार कर रहा है। कैप्टन ने चननी सरकार को सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की सलाह देते हुए कहा, मैं जिस बात को लेकर चिंतित हूं वह यह है कि जब त्योहार नजदीक हैं और आतंकी हमलों का खतरा अधिक है, आप कानून व्यवस्था को संभालने की बजाय आपने डीजीपी पंजाब को पंजाब की सुरक्षा की कीमत पर निराधार जांच करने को कहा है।

हिन्दुत्व न तो लेफ्ट है और न राइट, हमने खुद को कभी दक्षिणपंथी नहीं कहा : आरएसएस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह (महासचिव)दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि हिंदुत्व न तो लेफ्ट है और न राइट। दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि हिंदुत्व का सारांश यह है कि सभी कोने से सबसे अच्छी चीजों को लेकर अपने मुताबिगक उसे ढाल लेना।

उन्होंने कहा, मैं आरएसएस से हूं, हमने कभी भी संघ के प्रशिक्षण शिविरों में यह नहीं कहा कि हम राइट विंग से हैं और हमारी कई योजनाएं लेफ्ट की योजनाओं की तरह हैं। शुक्रवार को आरएसएस नेता ने कहा कि दोनों तरफ के विचारों के लिए जगह हैं...लेफ्ट और राइट यह मानवीय तजूरबा है। दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि, भारतीय परंपरा में पूर्ण विराम नहीं है। इसे लेफ्ट या राइट कहना आज

की भूगोलीय राजनीति के हिसाब से ठीक है। वेस्ट और ईस्ट ही पूरा नहीं है। हमने यह कभी नहीं कहा है कि हम राईटिस्ट हैं। हमारे कई विचार लेफ्ट के विचार की तरह हैं। ईस्ट और वेस्ट का भौगोलिक या राजनीतिक बंटवारा अब धुंधला और मंद पड़ गया है तथा उदारीकरण के बाद निजीकरण और ग्लोबलाइजेशन में घुल गया है। आरएसएस नेता राम माधव की किताब ऊप पर्द्धून्ड्डिस के लोकार्पण के मौके पर बोलते हुए दत्तात्रेय होसबोले ने कहा दुनिया लेफ्ट की तरफ चली गई थी या फिर जबरन उसे लेफ्ट की तरफ ढकेला गया था। अब हालात यह है कि दुनिया राइट की तरफ जा रही है और इसलिए यह केंद्र में है। इसलिए हिंदुत्व ना तो लेफ्ट है और ना ही राइट।

खुशखबरीः योगी सरकार राज्य कर्मियों को दिवाली से पहले देगी बोनस और डीए

लखनऊ (एजेंसी)। दीपावली से पहले तीन फीसदी महंगाई भत्ता (डीए) देने की केंद्र सरकार की घोषणा के बाद अब यूपी की योगी सरकार राज्य के 16 लाख कर्मचारियों को भी डीए की यह किस्त दीपावली से पहले देने की तैयारी कर रही है। राज्यकमिर्यों को अक्तूबर माह के वेतन के साथ बोनस का तोहफा भी देने की तैयारी है। कुल मिलाकर कर्मचारियों की जेब में दीपावली से पहले अक्तूबर का वेतन, बढ़ा डीए और बोनस के रूप में मोटी रकम होगी। जिससे बाजार में तेज उछाल की उम्मीद की जा रही है। वित्त विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 14.82 लाख अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, दैनिक वेतन भोगी और वर्कचार्ज कर्मचारियों को बोनस देने की फाइल तैयार है। सरकार के

आदेश का इंतजार हो रहा है। डीए की फाइल तैयार करने के लिए केंद्र सरकार के सर्कुलर का इंतजार हो रहा है। एक-दो दिन में केंद्र सरकार का डीए वृद्धि का सर्कुलर अपलोड हो जाने पर इसकी फाइल तैयार हो जाएगी। सोम या मंगलवार तक राज्य सरकार भी डीए व बोनस देने की घोषणा कर सकती है। दो माह पूर्व ही केंद्र और राज्य सरकार ने कोरोना के कारण सीज किए गए मंहगाई भत्ते की तीन किस्तों का भुगतान किया था। उसी समय यह वादा किया गया था कि जुलाई 2021 के महंगाई भत्ते की किस्त दीपावली के आसपास दी जाएगी।

जुलाई के डीए का लाभ जुलाई से ही कर्मचारियों को मिलेगा। सरकार तय करेगी कि जुलाई से सितंबर तक की धनराशि एरियर के रूप में या भविष्य निधि खातों और अन्य बचत पत्रों के जरिए देगी। पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की घोषणा भी होने की उम्मीद है। वहीं, उ.प्र. सचिवालय संघ के अध्यक्ष यादवेंद्र मिश्र ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि केंद्र सरकार की तरह दीपावली से पहले राज्य कर्मचारियों को डीए और बोनस दिए जाने की घोषणा करे, ताकि कर्मचारी परिवार के साथ इस खुशी को बांट सकें। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेस) के राष्ट्रीय सचिव अतुल मिश्रा ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि दीपावली से पहले कर्मचारियों को डीए और बोनस का भुगतान करने का आदेश दें।

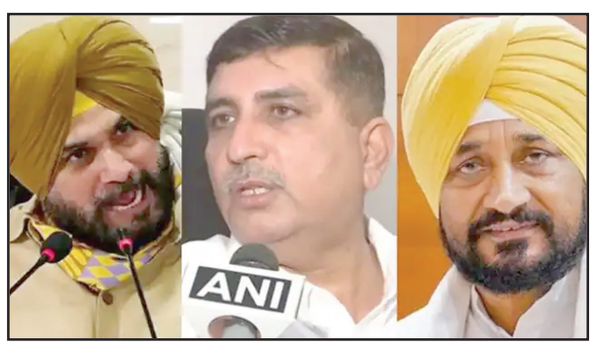

राहुल गांधी के करीबी हरीश चौधरी को मिली पंजाब की कमान, संभाल पाएंगे सिद्धू और चन्नी की रार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने हरीश रावत की जगह एक बार फिर हरीश चौधरी को पंजाब और चंडीगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया है। तत्काल प्रभाव से उनका कार्यकाल शुरू हो गया है। चौधरी पंजाब कांग्रेस में आंतरिक कलह के दौरान काफी सक्रिय थे और राहुल गांधी के साथ मसले को सुलझाने में जुटे हुए थे। राजस्थान के राजस्व मंत्री हरीश चौधरी के लिए राह आसान नहीं होने वाली है। राहुल गांधी के करीबी बताए जाने वाले हरीश चौधरी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय पर दी गई है जब पंजाब में कांग्रेस पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही है। कैप्टन अमरिंदर सिंह से टकराव के बाद प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए नवजोत सिंह सिद्धू नए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चनने से भी नाराज बताए जा रहे हैं। हरीश चौधरी ने हाल में पंजाब कांग्रेस में मची कलह के दौरान राहुल गांधी और प्रदेश के नेताओं के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। पूर्व महासचिव और 2017 विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब मामलों के प्रभारी रह चुके चौधरी ने पिछले कुछ दिनों में सिद्धू और चनने के बीच मतभेद कम करने में भूमिका निभाई है। बताया जाता है कि चौधरी ने कैप्टन को हटाने के लिए जमीन तैयार की थी। हालांकि, खुद उन्होंने इसे बेबुनियाद बताते हुए कहा था कि पंजाब कांग्रेस में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उत्तराखंड चुनाव में व्यस्तता की वजह से हरीश रावत को पंजाब प्रभारी की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रभारी पद से भी उन्हें हटाया गया है। हालांकि उन्हें कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाए रखा गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हरीश चौधरी की नियुक्ति की। वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि पार्टी, महासचिव के तौर रावत के योगदान की सराहना करती है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस में पिछले कई महीनों से चल रही उठापटक की पृष्ठभूमि में रावत ने पिछले दिनों कांग्रेस आलाकमान से आग्रह किया था कि उन्हें राज्य के प्रभारी की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए ताकि वह अपने गृह प्रदेश उत्तराखंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

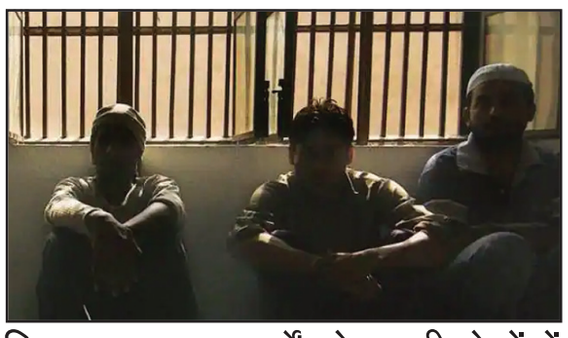

गिरफ्तार दहशतगर्दों को बाहरी जेलों में शिफ्ट करने की तैयारी, सबसे पहले 26 आतंकी आगरा शिफ्ट

श्रीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह की कश्मीर यात्रा से पहले जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने आतंकी घटनाओं में शामिल 26 बंदियों को आगरा जेल शिफ्ट किया है। कुल मिलाकर इसी तरह के 100 कैदियों को देशभर के अन्य जेलों में शिफ्ट किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने एएनआई को बताया कि घाटी के विभिनन्न जेलों में बंद लोगों को आगरा जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग द्वारा प्रमुख सचिव शालीन काबरा द्वारा हस्ताक्षरित एक अधिसूचना जारी किए जाने के बाद यह कदम उठाया गया था।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शुक्रवार को एक विशेष आईएल विमान से 26 कैदियों को ले जाया गया। बंदियों को श्रीनगर और जम्मू-कोतबलवाल की केंद्रीय जेल, बारामूला, राजौरी, पुंछ और कुपवाड़ा की जिला जेलों सहित छह जिला जेलों से स्थानांतरित किया गया है। जिन सभी बंदियों को स्थानांतरित किया गया है, वे कथित तौर पर घाटी में आतंकी घटनाओं में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि शिफ्ट किए गए 26 लोगों की यह पहली सूची है। कुल मिलाकर 100 की पहचान की गई है, जिन्हें देश भर की जेलों में स्थानांतरित किया जाएगा।

सॉरी मैं पूछकर नहीं गया, संयुक्त किसान मोर्चा से सस्पेंड किए जाने पर बोले योगेंद्र यादव, भारतीय संस्कृति की दी दुहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा से सस्पेंड किये जाने के बाद योगेंद्र यादव ने कहा कि सॉरी मैं पूछकर नहीं गया। योगेंद्र यादव ने भारतीय संस्कृति की दुहाई देते हुए कहा कि वो मृतक बीजेपी के कार्यकर्ता के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना जताने गए थे और उन्होंने ऐसा सिर्फ भारतीय संस्कृति की वजह से किया। 3 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी में हुई हिंसा में बीजेपी के कार्यकर्ता सुभम मिश्रा की मौत हुई थी। योगेंद्र यादव शुभम मिश्रा के परिजनों से मिलने गए थे जिसके बाद उन्हें एक महीने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा से सस्पेंड कर दिया। योगेंद्र यादव ने कहा कि खेद व्यक्त करते है कि उन्होंने इस मुलाकात से पहले एसकेएम के सदस्यों से संपर्क नहीं किया और यह दुख की बात है उनकी भावनाएं आहत हुईं। योगेंद्र यादव ने कहा, किसी भी आंदोलन में सभी की मिलीजुली राय किसी एक इंसान की राय से ऊपर होती है। मुझे माफ कर दीजिए कि मैंने अपना फैसला लेने से पहले एसकेएम के अन्य कॉमरेडों से से बात नहीं की। योगेंद्र यादव ने कहा, मैं संयुक्त किसान मोर्चा के फैसले लेने की प्रक्रिया का सम्मान करता हूं और इस प्रक्रिया के तहत सजा भुगतने के लिए भी तैयार हूं। मैं इस ऐतिसाहिक आंदोलन की सफलता के लिए और भी ज्यादा मजबूती से काम करूंगा।यादव ने शुभम मिश्रा के परिवार से हुई अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि यह मानवता के नाते किया गया था।

सत्यपाल मलिक पर महबूबा मुफ्ती ने किया 10 करोड़ का मानहानि केस, रोशनी ऐक्ट पर दिया था बयान

श्रीनगर (एजेंसी)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और मेघालय के मौजूदा राज्यपाल सत्यपाल मलिक को कानूनी नोटिस भेजकर उनके खिलाफ कथित ठअपमानजनकठ टिप्पणी के लिए 10 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। कुछ दिन पहले सत्यपाल मलिक ने बयान दिया था 2001 में आए रोशनी ऐक्ट के तहत राज्य के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला, उनके बेटे उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने अपने नाम प्लॉट करा लिए थे। रोशनी ऐक्ट को लेकर मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक के बयान पर महबूबा मुफ्ती ने उन्हें 10 करोड़ रुपए मानहानि का नोटिस भेजा

है। इससे पहले दिन महबूबा मुफ्ती ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि सत्यपाल मलिक का बयान बेहद गैरजिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि मेरी लीगल टीम सत्यपाल मलिक के खिलाफ मुकदमा करने की तैयारी कर रही है। वह या तो अपने बयान को वापस लें लें अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।एक समाचार के मुताबिक, महबूबा के वकील अनिल सेठी ने कानूनी नोटिस में लिखा, ठयद्यपि कोई भी राशि मेरे मुवक्किल की प्रतिष्ठा और अच्छे नाम के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, जो आपके पूर्वोक्त आचरण के कारण हुआ है, फिर भी मेरे मुवक्किल ने मुआवजे के लिए आप पर मुकदमा करने का फैसला किया है।ठ नोटिस में मलिक को 30 दिनों के भीतर मुआवजे के रूप में 10 करोड़ रुपये का भुगतान करने या कानूनी कार्रवाई का सामना करने को कहा गया है। नोटिस में कहा गया है कि मुआवजे के पैसे का इस्तेमाल महबूबा किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि जनता की भलाई के लिए करेंगी। इससे पहले बुधवार को जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक से रोशनी ऐक्ट का फायदा उठाने वाले बयान को लेकर माफी की मांग की थी।

खबर संक्षेप

गैंगस्टर एक्ट का वांछित गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के वांछित को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एनटीपीसी गेट के आगे पुलिया के पास से की गई है। गिरफ्त में आया अभियुक्त पिछले आठ माह से पुलिस को चकमा देकर फरारी काट रहा था। यह जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने बताया कि आज थाने की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गैंगस्टर एक्ट के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। धरा गया अभियुक्त राजेश उर्फ गब्बर पासी पुत्र भुल्लू पासी, घूरपुर थाना क्षेत्र के बलापुर का रहने वाला है। एसओ ने बताया कि उसके खिलाफ शंकरगढ़ थाने में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई थी। वह फरवरी माह से ही फरार चल रहा था। उसके खिलाफ धारा 82 की कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी थी। बताया कि धरे गए राजेश उर्फ गब्बर के खिलाफ कुल चार मामले दर्ज हैं।

स्कूल जा रही छात्रा को डंपर ने रौंदा, मौके पर मौत

घटना के बाद लगी भीड़ व रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

हंडिया। हंडिया थाना क्षेत्र के बेलहा में एक डंपर ने स्कूल जा रही छात्रा को रौंद दिया। वहीं दुर्घटना में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची हंडिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही आरती की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतिका आरती तीन बहन दो भाइयों में सबसे बड़ी थी।वह अपने माता-पिता की लाडली बेटी थी। मृतिका आरती कुमारी की मौत से मां कमला देवी भाई अजय आनंद व बहनें बेबी लल्ली व अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। छात्रा आरती बेलहा के पास पहुंची ही थी कि तेज रफ्तार डंपर गिट्टी से भरे डंपर ने छात्रा को रौंद दिया। वहीं दुर्घटना में छात्रा आरती कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। वही चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही आरती की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतिका आरती तीन बहन दो भाइयों में सबसे बड़ी थी।वह अपने माता-पिता की लाडली बेटी थी। मृतिका आरती कुमारी की मौत से मां कमला देवी भाई अजय आनंद व बहनें बेबी लल्ली व अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

घरेलू कलह से परेशान अधेड़ ने ट्रेन के सामने कूद दी जान

आत्महत्या की घटना स्थल पर जांच करती पुलिस

घूरपुर। क्षेत्र के चम्पतपुर गांव निवासी एक अधेड़ ने शुक्रवार की शाम रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने छलांग लगा जान दे दी। अधेड़ के शरीर के कई टुकड़े हो गए और उसकी मौके पर ही मौत हो गई । घूरपुर थाना क्षेत्र के चम्पतपुर गांव निवासी भैया लाल गुप्त 48 पुत्र छेदी लाल गुप्त घर से नाराज होकर शुक्रवार के दिन निकला और सरंगापुर गांव के सामने से गुजर रही मुंबई रेल रेलवे ट्रैक पर आती हुई ट्रेन के सामने छलांग लगा ली। जिससे भैया लाल के शरीर के कई टुकड़े हो गए और उसकी मौके पर ही मौत हो गई । सूचना परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । ग्रामीणों ने बताया कि भैया लाल के तीन बेटे व दो बेटियां है जिनमे से दोनो बेटी की तथा दो बेटों की शादी हो चुकी है ।

जंघई में कुएं में गिर कर दिव्यांग युवक की हुई मौत

जंघई। सरायममरेज थाना क्षेत्र के विजयदशमी बाग के समीप शर्मा बस्ती में शुक्रवार को एक दिव्यांग युवक सूरज 18 वर्ष कुएं के बगल में हाथ मुंह धो रहा था उसका पैर फिसल गया वह कुएं में गिर पड़ा।परिजनों को जब पता चला तो देर हो चुकी थी आनन फानन में रस्सी से बांधकर सूरज पुत्र छोटेलाल शर्मा को बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी जंघई पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सरायममरेज थाना जंघई चौकी क्षेत्र के जंघई निवासी सूरज शर्मा 18 वर्ष एक हाथ व पैर से विकलांग था उसके घर के सामने एक बहुत पुराना कुआं है रोज की भांति वह सुबह कुएं के बगल में हाथ मुंह धोने के लिए जैसे ही गया फिसल कर कुएं में गिर पड़ा परिवार के लोग हल्ला मचाए अगल-बगल के लोग मौके पर आए 2 घंटे मशक्कत के बाद उसको निकाला गया उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी।सूचना पर पहुंचे जंघई चौकी इंचार्ज राजकुमार त्रिवेदी ने मृतक को पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेजवाया परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

कार्यशैली पर नाराज मेजा बार के अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर कार्यालय में की तालाबंदी

अखंड भारत संदेश

मेजा तहसील बार व बेंच विवाद को लेकर तहसील परिसर में रहा तालाबंदी

मेजा रोड। मेजा तहसील बार और बेंच का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है बेंच की कार्यशैली से नाराज मेजा बार के अधिवक्तागण महीने से न्यायिक कार्यो से दूर होने के बाद आज बार अध्यक्ष उमाकान्त मिश्र व पूर्व अध्यक्ष जटाशंकर शुक्ला तथा मन्त्री दिनेश दुबे के नेतृत्व सैकड़ो अधिवक्ताओं ने लामबन्द होकर तहसील परिसर के रजिस्टरी दफ्तर समेत सभी दफ्तरों में तालाबंदी कराते हुए एसडीएम के विरुद्ध नारे बाजी की अधिवक्ताओं का आरोप है कि वर्तमान एसडीएम रेनू सिंह कोट नहीं करती जिससे काफी कार्य प्रभावित हो रहे है साथ ही उनके कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाये साथ ही बताया कि इस सम्बन्ध में तहसील दिवस पर आये डीएम प्रयागराज को संजय खत्री को इससम्बन्ध में अवगत कराया गया था साथ ही एसडीएम मेजा के तबादले के बात उनके समक्ष रखी गयी थी।उचित जाँच कर कार्यवाही किये जाने के आश्वसन मिलने के बाद इच्छा अनरूप परिणाम न मिलने पर बार के सभी अधिवक्तागणो के सहमती पर सुबह में एसडीएम मेजा वापस जाओ का नारा देते हुए परिसर में तालाबन्दी कराकर विरोध दर्ज कराया गया।इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चन्द्र दुबे,रमाशंकर मिश्र,आनंद पाण्डेय, अशोक शुक्ला, दुर्गेश तिवारी राजेश्वरी मिश्र, कृपा शंकर तिवारी, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश मिश्र,राज कुमार तिवारी, नीरज तिवारी, अनूप मिश्र, शैलेन्द्र चौबे, दीपक शुक्ला, प्रेमशंकर शुक्ला, पवन कुमार शुक्ला, नितिन तिवारीआदि सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

मांडा पुलिस के हत्थे चढ़ा वारंटी , आरोपी गिरफ्तार

माण्डा। थाना माण्डा पुलिस ने आज माननीय न्यायालय जे0एम0-4 इलाहाबाद न्यायालय से निर्गत वारंट केस नंबर 1407/14 के वारंटी गाँव कानेवरा निवासी कल्लू को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।डीआईजी एसएसपी प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा वांछित वारण्टी अपराधियो की गिरफ्तारी करने हेतु दिये गये आदेश व निर्देश के क्रम में एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित व सीओ मेजा डा०भीम कुमार गौतम के कुशल निर्देशन में माण्डा प्रभारी निरीक्षक अवन कुमार दीक्षित के कुशल नेतृत्व उप निरीक्षक सुभाष सिंह यादव अन्य हमराही सिपाहीगणो के साथ अपराधियो की तलाश में लगे हुए थे तभी मुखबीर की खास सुचना पर वारंट केस नंबर 1407/ 14 धारा 323/ 504/ 506/ भादवी जिसकी तारीख पेश 12-11-2021 माण्डा कनेवरा निवासी कुल्लू पुत्र बिस्मिल्लाह उर्फ लाला को बृहद गाँव कनेवरा से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार वारण्टी को पुलिस पकड़कर थाने ले आयी जहा विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय भेजा गया।

उर्वरक बिक्री केन्द्र पर किसान दिवस मनाते किसान

इफको जैव उर्वरक अभियान आजादी के 75 वर्ष महोत्सव

जारी। औद्यानिक उत्पाद एवं विपणन सहकारी समिति मैदा जारी बाजार में दिन गुरुवार को संचालित उर्वरक विक्री केंद्र पर किसान दिवस किसानों की भारी उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आर पी सिंह बघेल जिला अध्यक्ष औद्यानिक सहकारी संघ प्रयागराज व डेलीगेट इफको रहे । बघेल द्वारा किसानों के लिए इफको के प्रबंधन निदेशक डॉ यू -एस अवस्थी द्वारा किए जा रहे प्रयास जिसमें इफको नैनो यूरिया व नैनो डीएपी के साथ अन्य उत्पादों का किसान भाई खेतों में प्रयोग कर मृदा संरक्षण व फैल रही बीमारियों से बचाव के लिए आवाहन किया डॉक्टर विवेक दीक्षित विपणन अधिकारी प्रयागराज द्वारा नैनो उर्वरकों के साथ सागरिका जो कि समुद्री उत्पाद है मृदा प्रशिक्षण के साथ अन्य उत्पादों के प्रयोग से होने वाले लाभ पर चर्चा किया गया सांजय यादव विपणन अधिकारी इफको द्वारा किसानों को आज का विषय जैव उर्वरक प्रयोग से होने वाले लाभ से किसानों को विस्तार से बताया गया ।गोष्टी के अंत में इफको के दिवंगत अध्यक्ष स्वर्गीय बलविंदर सिंह के लिए शोक व्यक्त किया गया किसानों ने मौन रखकर शोक सभा व्यक्त की गोष्ठी में विशेष रुप से उपस्थित किसान अरुण कुमार सिंह, रामखेलावन सिंह ,अशोक सिंह, सत्येंद्र सिंह गौहानी ,रामसखा अग्रहरि, अरविंद उर्फ बाबा अग्रहरी सचिव द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बीडीओ कोरांव ने मौके पर पहुंच कर किया निरक्षण

रत्योरा। विकास खण्ड कोरांव के प्राथमिक विद्यालय रत्योरा करपिया में वृहस्पतिवार को सीएचसी कोरांव के डॉक्टरों के द्वारा शिविर लगाकर 207 लोगों को वैक्सीन लगायी गईं। बता दें कि यह शिविर आयोजन प्राथमिक विद्यालय रत्योरा करपिया में तीसरी बार आयोजित किया गया है।इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी रमाशंकर ने मौके पर पहुँचकर निरक्षण किया और ग्रामीणों से अपील किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग कोरोना महामारी तीसरी लहर से बचने के लिए वैक्सीन लगवाने की अपील किया।इस दौरान चिकित्सको के द्वारा ग्रामीण लोगों को कोविड-19से बचाव के लिए विशेष जानकारी दी गई।साथ ही साथ कहा कि सैनिटाइजर व साबुन से हाथ धुले और माक्स का प्रयोग के साथ ही साथ अपने और अपने परिवार का स्वयं का बचाव करते हुए लोगों को जागरूकता फैलाये जिससे कोरोना महामारी विमारी से बच सके।इसीप्रकार ग्राम प्रधान शशिकांत कुशवाहा ने ग्रामीणों से वैक्सीन लगवाने की अपील किया शशिकांत ने कहा कि अभी कोरोना बीमारी का खतरा टला नही है सावधानी एवं सुरक्षा ही सबसे सफल इलाज है।और वैक्सीन जरूर लगवाए इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी इन्द्र बहादुर सिंह सीएचसी से आये हुए डॉक्टर सरिता देवी विजयलक्ष्मी देवी शकुन्तला देवी सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

कच्ची शराब के अड्डे पर दविश तोड़ी भट्ठी 50 लीटर शराब बरामद

घूरपुर। स्थानीय पुलिस ने इलाक के बीकर गांव के यमुना किनारे जिभिया पहाड़ी के नीचे बनाई जा रही कच्ची शराब के अड्डे पर छापेमारी की तो कच्ची शराब आधा दर्जन कारोबारी भाग निकले पुलिस ने भट्ठियो को तोड़ लहन नस्ट कर तैयार 50 लीटर शराब बरामद की। शुक्रवार की सायंकाल एसओ राकेश राय ने मय फोर्स बीकर के यमुना नदी किनारे जीभिया पहाड़ी के नीचे चल रही कच्ची शराब के अड्डे पर दविश दी तो पुलिस टीम देखते ही कच्ची शराब के कारोबारी भाग निकले। कार्यवाई के दौरान यमुना नदी किनारे पानी में ड्रम मे रखे लहन और उपकरण व भट्ठियो को नस्ट कर तैयार 50 लीटर शराब बरामद किया। पुलिस ने एक फरार रोहित निषाद बीकर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अनवरत चलती रहेगी महोत्सव की यह परंपरा : डा. पाण्डेय

बचऊलाल के लोकगीत और बच्चों के लोकनृत्य ने बांधी समां सजाई रंगोलियां

अखंड भारत संदेस

महोत्सव के समापन पर संयोजक डॉ भगवत पांडेय लोगों का अभिवादन करते हुए।

करछना। महोत्सव हमारी एक ही रीति, प्रीति और नीति की। सर्जना से ओत प्रोत होकर समाज के बीच मानवीय मूल्यों का जागरण करते है। अपने बुजुर्गो, संतो, लोककलाकारों, समाजसेवियों, बाल प्रतिभाओं, साहित्य मनीषियों को यह महोत्सव एक साथ मंच संजो रहा है। अपनी लोक संस्कृति और परंपरा का सृजन अनवरत चलता रहेगा।यह बाते क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कालेज के परिसर में आयोजित 24वें पांच दिवसीय जमुनापार महोत्सव के समापन दिवस पर संयोजक डॉ.भगवत पाण्डेय ने अतिथियों के स्वागत के दौरान कही।गणेश वंदना के साथ शुरू हुए समापन समारोह में लोककलाकार बचऊलाल यादव के प्रयाग वर्णन गीत ने प्रयागराज की महिमा का गुणगान किया।आयोजक कालेज के बच्चों ने रंग बिरंगी रंगोलियां सजाई तो वहीं राधा कुशवाहा, काजल पाल, शिवानी, दिव्या, संजना और नेहा द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य पर दर्शक झूम उठे। रंगोली प्रतियोगिता में ग्रुप ए की छात्रा सृष्टि शर्मा, चंचल, विभा, प्रिया और रिया पहले स्थान पर रही।गीतकार जितेन्द्र जलज ने अपनी कविताओं से राष्ट्र और तिरंगे को नमन करते हुए श्रोताओं में राष्ट्र प्रेम भावना जागृत किया। मंच पर आयोजित सम्मान समारोह में प्रसिद्ध कृषक गुलाब सिंह, समाजसेवी केके सिंह, लाल दिवाकर सिंह,शायर नायब बलियावी, कवियत्री सांम्भवी सिंह और प्रो0 मन मोहन तिवारी समेत 11 लोगों का सम्मान अभिनंदन किया गया।मंच पर पहुंचे प्रवाचकों ने राम नाम महिमा का बखान कर श्रीराम के आदर्श को जीवन में आचरित करने का संदेश दिया।वृंदावन से आई मानस देवी साक्षी ने कहा कि भक्त और भक्ति जब सही दिशा में अग्रसर होती है तो शीघ्र ही प्रभु के दर्शन होते है। आचार्य गोपाल जी महाराज ने हरि अंनत हरि अनन्ता के माध्यम से भगवान के विभिन्न लोक स्वरूपों की झांकी प्रस्तुत करते हुए खूब तालियां बटोरी।तो वही पंकज महराज ने ब्रज की रास लीला और गोपी प्रेम की कथा सुनाकर सभी को आह्लादित कर दिया।स्वामी विनोदानंद जी महाराज ने कहा कि श्रीराम का आचरण आदर्श,चरित्र, लोकजीवन प्रेरणा का भण्डार है जिसे जीवन में उतारने की जरूरत है। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने सभी संतो, कलाकारों, अतिथियों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर, अरूण तिवारी, संत प्रसाद पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, सुधा सिंह, विजय सिंह, राज कुमार विश्वकर्मा, कमलाशंकर तिवारी, देवी चरण पाण्डेय, रमेश द्विवेदी, कृष्णाकांत निषाद, रामबाबू यादव, फूलचन्द्र यादव, प्रकाश भारतीया, रिंकू सिंह, जीपी तिवारी समेत बड़ी संख्या में भक्त श्रोता मौजूद रहे।

भाजपा सरकार से गरीब- नौजवान व किसान बेहद परेशान : शिवपाल यादव

सामाजिक परिवर्तन रथयात्रा के दौरान भोपतपुर बाग में लोगों को सम्बोधित करते शिवपाल यादव

सहसों। प्रगतिशील समाज पार्टी के द्वारा सामाजिक परिवर्तन रथयात्रा के दौरान भाजपा सरकार में महंगाई एवं भ्रष्टाचार से किसान, नौजवान तथा बेरोजगार पूरी तरह से त्रस्त हैं। डीजल पेट्रोल तथा गैस के दाम आसमान पर है जिससे आम आदमी का जीवन कठिन दौर से गुजर रहा है। उक्त बातें सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा के दौरान सहसों के पास भोपतपुर की बाग में शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमारी सरकार बनने पर हर परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी तथा 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। उच्च शिक्षा प्राप्त बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए 5 लाख का पैकेज भी हमारी सरकार बनने पर दिया जाएगा। उन्होंने लखीमपुर खीरी का जिक्र करते हुए कहा भाजपा सरकार की बर्बरता पूर्ण कार्रवाई से किसान पूरी तरह से टूट चुका है। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी को हटाने के लिए समान विचारधारा वाली पार्टी से गठबंधन किया जाएगा। जिसमें सबसे बड़ी सपा पार्टी हमारी पहली प्राथमिकता है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुंदर सिंह लोधी, राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव, यूथ प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री प्रकाश राय, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश यादव, नितिन कोहली एवं प्रतापपुर विधानसभा के प्रभारी संतोष आर्मी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभा के अध्यक्षता कर रहे पार्टी के जिला अध्यक्ष दीनानाथ यादव ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर रिंकू यादव, आकाश यादव, कमलेश कनौजिया, शमशाद अहमद, शशांक मिश्रा, आशीष किवा, मोनू प्रजापति, जियाउद्दीन, पिंटू सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नीलांभुजश्याममलकोमलांगम, सीता समारो पितवाम भागम पाणौ महाशाय एक चारू चापम, नमामि रामम रघुवंशनाथम

अखंड भारत संदेश

हरीपुर मिश्रपुर गांव में नरौ दिवसीय श्रीकथा के दूसरे दिन जगदगुरु रामभद्राचार्य रामचरित मानस कहते व उपस्थित श्रोतागण।

धनूपुर। हरीपुर मिश्रपुर गाँव में नौ दिवसीय श्री रामकथा के दूसरे दिन जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने सुंदर कांड की चौपाई से कथा आगे बढ़ाते हुए राम चरित मानस में भगवान श्रीराम की पांच लीलाओं, सती द्वारा प्रभु पर हुए 16 संदेहों का विस्तार से वर्णन किया। बीच-बीच में राम भजन का गायन कर कथा वाचक ने मौजूद विशाल भीड़ को झूमने पर मजबूर कर दिया। जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज की कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े जगद्गुरू ने पहले दिन की कथा को आगे बढ़ाते हुए भगवान श्रीराम और हनुमान के प्रेम को देखकर शिवजी के मन में आई व्यथा का वर्णन विस्तार से किया।इसके बाद राम चरित मानस में भगवान की पांच लीलाओं का वर्णन किया गया। कहा कि पूरे राम चरित मानस में भगवान की बाल, विवाह, वन, रण और राज्यलीला का वर्णन है। कथा व्यास ने नीलांभुजश्याममलकोमलांगम, सीता समारो पितवाम भागम।पाणौ महाशाय एक चारू चापम, नमामि रामम रघुवंशनाथम का भी विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि प्रभु कोमल हैं। वाम भाग में सीता हैं। श्रीराम महान वाण और सुंदर धनुष धारण किए हुए हैं मैं रामजी को नमन करता हूं। रामजी लीला खेलते हुए राज्य लीला रचाते हैं। जगद्गुरू ने शिवजी द्वारा श्रीराम की पांच लीलाओं सत चित भावन मन भावन की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि सत बाल लीला, चित विवाह लीला, भावना वर्ण लीला, मन जगपावन लीला तथा भावन को राज्यलीला बताया। शिव द्वारा भगवान राम की कथा सुनने पर पत्नी सती को हुए 16 संदेह का भी विस्तार से वर्णन किया। बीच-बीच में बड़ नीक लागै राम जी के गऊंवा समेत कई अन्य राम भजन का गायन कर जगद्गुरू ने बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया।इस अवसर पर मुख्य यजमान तारकेश्वर नाथ तिवारी, हिरावती देवी, आयोजक प्रभात तिवारी पोहिला, अनिल तिवारी, गौतम तिवारी, बंटी तिवारी, सुदर्शन तिवारी एवं उपस्थित लोगों में अवधेश तिवारी भाजपा नेता, सौरभ तिवारी प्रधान हरीपुर, रंगलाल तिवारी, अशोक तिवारी, पवन तिवारी, सूर्यमोहन तिवारी, धीरज तिवारी रामेश्वर तिवारी सुमित, गौरव, हरिश्वर, शिवम, केशव पाठक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

तीसरे दिन भी रही तालाबंदी आगे भी जारी रहेगी : प्रशांत पाण्डेय

कोरांव। कोरांव तहसील मे एसडीएम और तहसीलदार के स्थान्तरण तक तीसरे दिन भी अधिवक्ताओ ने मंत्री प्रशांत पाण्डेय के नेतृत्व मे सुबह तालाबंदी कराते हुए अधिवक्ता एकता जिन्दाबाद का नारा लगाया। बता दे कि लामबंद अधिवक्ताओ के बीच एडीएम प्रशासन रजनीश मिश्रा पहुँचे जिसमे बार के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता बाल गोबिंद पाण्डेय, अरुण मिश्रा, रामेश्वर तिवारी, ललन तिवारी ,मोती लाल कुशवाहा, हरी प्रसाद सिंह व वर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र सिंह का प्रतिनिधि मंडल ने एडीएम से वार्ता की और आगे की रणनीति अग्रिम जनरल हाउस के बाद तय करने को कहा मंत्री प्रशांत मंत्री प्रशांत पाण्डेय व पूर्व अध्यक्ष ललन तिवारी ने कहा इनका यहाँ से तबादला करा दीजिये आगे भी तालाबंदी और हड़ताल जारी रहेगी

ज्वाला देवी गंगापुरी में हुआ नव निर्मित झूले का लोकार्पण

प्रयागराज। प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद(रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद प्रयागराज में गुरुवार को बच्चों हेतु नगर निगम द्वारा नवनिर्मित झूले का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राम मनोहर (प्रांतीय संगठन मंत्री भारती शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश) ने सर्वप्रथम नवनिर्मित झूले का वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन किया तथा श्रीफल तोड़कर उद्घाटन किया। साथ ही महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी द्वारा बच्चों के लिए शिक्षा के साथ-साथ मनोरंजन हेतु किए गए इस प्रयास की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने कहा कि महापौर से विद्यालय के प्राइमरी वर्ग के बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले का आग्रह किया गया। जिसे उन्होंने शीघ्र ही स्थापित कराया। इसके लिए विद्यालय प्रबंध समिति एवं विद्यालय परिवार हार्दिक बधाई देते हैं। उद्घाटन के पश्चात प्राइमरी वर्ग के भैया बहनों ने उत्साह पूर्वक झूले पर मनोरंजन किया। इस अवसर पर राजेन्द्र मोहन ओझा,जनार्दन प्रसाद दुबे, विनोद कुमार, संजीव चतुवेर्दी, रोली मालवीय,पायल जायसवाल, अनीता त्रिपाठी, शिवकुमार सिंह, विजय सिंह, राधेश्याम तिवारी तथा प्राइमरी वर्ग के सभी भैया बहन एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पं. राममणि शुक्ला परिषदीय शिक्षकों के मशीहा थे

मेजा रोड। शिक्षक नेता पंडित राममणि शुक्ल के निधन पर शुक्लपुर में मेजा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तुलसीदास तिवारी की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन हुआ। शोक सभा के दौरान दो मिनट का मौन रखकर श्री शुक्ल के आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया गया । तुलसीदास तिवारी ने कहा कि श्री शुक्ल शिक्षको के हर दुःख - सुख में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने वाले तथा सदैव शिक्षको के हित की लड़ाई लड़ने वाले मशीहा थे। वह प्राथमिक शिक्षक संघ उरुआ के लंबे समय तक अजेय अध्यक्ष रहे। गौरतलब हो कि पंडित राममणि शुक्ल का विगत 14 अक्टूबर 2021 को निधन हो गया। उरुआ ब्लाक के परानीपुर गांव में जन्मे राममणि शुक्ल (75 वर्ष) ब्लाक के प्राथमिक शिक्षक संघ लंबे समय तक अजेय अध्यक्ष एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष के पद को सुशोभित किया है। श्री शुक्ल प्राथमिक विद्यालय ऊँचडीह से सत्र 2009 - 2010 में प्रधानाध्यापक के पद से अवकाश प्राप्त हुए थे। शोक सभा मे मुख्य रूप से बऊ मिश्रा (पूर्व प्रधान शुक्लपुर), भाजपा नेता उमा शंकर तिवारी (गांधी जी), बसंत जी शुक्ल, जय शंकर, पवन मिश्र, जगदीश पांडेय, घनश्याम तिवारी (शिक्षामित्र) रजनीश पांडेय (प्रधानाध्यापक प्राङ्ग पाङ्ग शुक्लपुर प्रथम), मृत्युंजय सिंह (शिक्षक), सुधीश चंद्र (शिक्षक) श्रीमती मुन्नी शुक्ला (शिक्षा मित्र) किशन सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

श्री सिद्ध हनुमान मानस मंदिर में राम कथा का आयोजन

मेजा रोड। मेजा के पांती गांव में श्री सिद्ध हनुमान मानस मंदिर में श्रीराम कथा जारी है। कथा के चौथे दिन बांदा से आए महाराज रामगोपाल मानस रतन बांदा ने राजा दशरथ की रानियों व राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न के जन्मोत्सव की चर्चा किया। माया क्या है, ज्ञान क्या है, वैराग्य क्या है और उससे भी महत्व की बात, भक्ति क्या है। इस पर प्रभु ने कहा कि जिससे मैं प्राप्त होता हूं। वही मेरी भक्ति है। श्री सिद्ध हनुमान मानस मंदिर में श्रीराम कथा जारी है। पांचवें दिन प्रवचन करते हुए बांदा से आए श्री स्वामी रामगोपाल तिवारी जी "मानस रत्न" महाराज ने कहा कि बिना सौभाग्य के श्रीराम कथा प्राप्त नहीं होती। उन्होंने पंचवटी में राम लक्ष्मण के प्रश्नोत्तर की चर्चा करते हुए कहा कि लक्ष्मण ने पूछा कि यह माया क्या है, ज्ञान क्या है, वैराग्य क्या है और उससे भी महत्व की बात, भक्ति क्या है। इस पर प्रभु ने कहा कि जिससे मैं प्राप्त होता हूं वही मेरी भक्ति है। लक्ष्मण ने उप प्रश्न कर दिया कि भगवान की भक्ति कैसे प्राप्त हो सकती है तो भगवान ने कहा कि संतों की कृपा से भक्ति प्राप्त होती है। संत कैसे मिल सकते हैं, इस प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रभु ने कहा कि जन्म जन्मांतरों की पूंजी जब इकट्ठी होती है तो संतों का दर्शन मिलता है। महाराज ने आगे कहा कि वर्तमान काल में श्रीराम कथा की बहुत आवश्यकता है। सत्संग में समिति के सचिव विजयानन्द उपाध्याय,सिद्धान्त तिवारी,गुलाब शुक्ला,मनीष उपाध्याय,आँशु उपाध्याय सहित सैकड़ों की संख्या में श्रोता रहे।इस दौरान श्री सिद्ध हनुमान जी के कृपा पात्र ई नित्यानंद उपाध्याय ने क्षेत्र के लोगों से अपील किया कि सत्संग में आकर रामकथा सुनकर अपने जीवन को धन्य बनाएं।

विद्यालय के संस्थापक के निधन पर की शोंक सभा दी श्रदाँजलि

करछना। तहसील क्षेत्र के झीरी लच्छीपुर में स्थित सभाजीत इंटरमीडिएट कॉलेज के संस्थापक सभाजीत शर्मा के निधन पर विद्यालय के शिक्षकों द्वारा एक शोक सभा आयोजित की गई जिसमें विद्यालय के संस्थापक रहे सभाजीत शर्मा 85 वर्ष का दो दिन पूर्व आकस्मिक निधन हो गया था ।उनके निधन पर विद्यालय के शिक्षकों ने एक शोक सभा कर 2 मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त की गई, जिसमें विद्यालय के प्रबंधक शैलेंद्र कुमार शर्मा ने सभाजीत शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी और विद्यालय परिवार की तरफ से शिक्षकों ने उनके निधन पर अपूरणीय क्षति बताई ।शोक संवेदना वयक्त करने वालों में प्रबंधक शैलेन्द्र शर्मा ,शिक्षक कमला प्रसाद निषाद, सरोज लता, अनिल कुमार शुक्ला, शिवम तिवारी, कन्हैया विश्वकर्मा सहित समस्त शिक्षकों एवं छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बेटे की हालत नाजुक सुन पिता की सदमे में मौत, कोहराम

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में 15 अक्टूबर को छेड़खानी का विरोध करने पर सगे भाइयों पर जानलेवा हमला हुआ था। जिसमें भाईयो की हालत आज भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने तहरीर लेकर केस दर्ज किया था। वही घायलों के पिता फूलचंद भी बीमार होने की वजह से पहले से ही तेलियरगंज अस्पताल में भर्ती थे। जिसकी सूचना पिता को नहीं थी। मारपीट में घायल बेटे की हालत नाजुक होने की जानकारी जब पिता को हुई तो सदमे में उनकी मौत हो गई। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।अतरौरा गांव में 15 अक्टूबर की शाम छेड़खानी का विरोध करने पर पड़ोस के दबंगो ने जमकर लाठियां भाजी।गांव के फूलचंद के बेटे सूरज और विजय ने पड़ोस के कप्तान से एक नाबालिग लड़की से छेड़खानी का विरोध किया तो कप्तान राजपति,लक्ष्मण और राजू सहित आधा दर्जन से ज्यादा अधिक लोगों के साथ सगे भाइयों पर हमला बोल दिया। लाठी-डंडे और सरियों से हमला कर सूरज और विजय को मरणासन्न कर दिया। दोनों सगे भाई सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से बेहोश हो गए। यह देख घर में कोहराम मच गया था।

मेला प्राधिकरण बोर्ड की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों को टेण्डर की कार्रवाई शीघ्रता से प्रारम्भ करते हुए मेला क्षेत्र में कराये जाने वाले कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराये जाने का दिए निर्देश

अधिकारियों को संबोधित करते मंडलायुक्त संजय गोयल

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टेट स्थित जनमिलन केन्द्र के सभाकक्ष में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की बारहवीं बोर्ड की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विभिन्न विभागों से सम्बंधित विषयों की बिंदुवार चर्चा की गयी। मण्डलायुक्त ने मेला क्षेत्र में आमजन की सुविधा हेतु सूचना के लिए साइनेज प्लान व्यस्थित ढंग से बनाये जाने के सम्बंध में कार्य योजना बनाये जाने के लिए कहा है। माघ मेला के आयोजन के समय कोविड-19 के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किये जाने हेतु निर्देशित किया है। अक्षयवट मार्ग पर सुगम आवागमन की दृष्टि से टाइल्स लगाये जाने हेतु डीपीआर बनाकर प्रस्तुत किये जाने के लिए कहा है। संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नावों के व्यवस्थित संचालन हेतु कार्य योजना बनाये जाने के लिए कहा गया है, जिसमें नांव की ऑनलाइन बुकिंग, टोकन सिस्टम, निर्धारित रेट सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं हेतु एक्शन प्लान बनाकर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। संगम पर वर्ष पर्यन्त आरती स्टेज बनाये जाने के सम्बंध में मण्डलायुक्त ने टीम बनाकर परीक्षण करते हुए मूवेवूल आरती स्टेज की डिजाईन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की वेबसाइट बनाये जाने के सम्बंध में मण्डलायुक्त ने टीम बनाकर तथा एनआईसी से समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई किये जाने तथा दिसम्बर माह तक वेबसाइट बनाये जाने का निर्देश दिया है। संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं तथा तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं के दृष्टिगत एम्यूजमेंट जोन, फूडस्टाल एवं अन्य खान-पान की व्यवस्था के सम्बंध में 15 दिन में कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बैठक में संगम क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था किये जाने का निर्देश दिया गया। माघ मेला 2021-22 हेतु सलाहकार समिति के गठन हेतु आवश्यक कार्रवाई किये जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी विभागों को टेण्डर की कार्रवाई शीघ्रता से प्रारम्भ करते हुए मेला क्षेत्र में कराये जाने वाले कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, पीडीए उपाध्यक्ष अरविंद चैहान, नगर आयुक्त रवि रंजन सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेना ने बुलडोजर चलवाकर ध्वस्त कराए अवैध निर्माण, मची रही अफरातफरी

अवैध निर्माण को गिराता बुलडोजर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सेना द्वारा शुक्रवार को कैंटोनमेंट क्षेत्र के आरए बाजार में अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस दौरान यहां वर्षों पुराने कई अवैध निर्माण जमींदोज किए गए। यहां कार्रवाई का लोगों ने विरोध करने का भी प्रयास किया, लेकिन सेना और पुलिस के जवानों के आगे किसी की एक न चली। तकरीबन चार घंटे तक चले अभियान के दौरान सेना में अपनी चार हजार वर्ग मीटर जमीन खाली करवाई। सेना की ओर से आरए बाजार में अवैध रूप से रह रहे लोगों को पहले भी कई बार कहा गया था कि वह वहां से चले जाएं। इस दौरान वहां से कुछ लोग चले भी गए, लेकिन दर्जन भर से ज्यादा परिवार ऐसे रहे जो वहां से नहीं हटे। इसे देखते हुए शुक्रवार को सेना ने जिला प्रशासन और पुलिस की मदद से आरए बाजार में अभियान चलाने की रणनीति बनाई। सुबह 11 बजे के आसपास चार ट्रक में आर्मी के जवान, 50 के आसपास पुलिस कर्मी, एसीएम टू मौके पर पहुंचे।

इस दौरान कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ माने अमित कुमार बाबूराव भी आरए बाजार पहुंचे। उनके नेतृत्व में वहां अतिक्रमण अभियान शुरू हुआ। इस दौरान वहां बुलडोजर की मदद से तकरीबन 15 अवैध निर्माण गिरा दिए गए। इन सभी मकानों में वहां कई वर्ष से लोग रहे थे। अचानक हुई इस कार्रवाई के दौरान वहां अफरा तफरी का माहौल बन गया। हालांकि सेना द्वारा लोगों को उनके घर से सामान निकालने का मौका दिया गया। वहीं लोगों का आरोप है कि सेना की कार्रवाई के दौरान उन्हें अपने घर से सामान निकालने का ज्यादा वक्त नहीं मिला। दिन में तीन बजे तक अवैध निर्माण हटाए जाने की कार्रवाई हुई। इस दौरान चार हजार वर्गमीटर जमीन को खाली करवाया गया। कार्रवाई के दौरान आरए बाजार में रोड साइड की 50 दुकानें भी खाली करवाई गईं।

क्रियायोग से बंधी जिंदगी की उम्मीदें

क्रियायोग की शिक्षा देते स्वामी श्री योगी सत्यम

अनूप मिश्रा

प्रयागराज। झूसी स्थित क्रियायोग आश्रम में प्रतिदिन सुबह-शाम देश व विदेश के साधक निरंतर परमात्मा की सर्वव्यापकता को महसूस करने व पाने के लिए निरंतर क्रियायोग ध्यान मे लिन हैं ' वहीं दूसरी तरफ कोरोना काल में जिंदगी जीने की आस छोड़ चुके लोगों में क्रियायोग के निरंतर अभ्यास से जिंदगी की उम्मीदें दुबारा दिखने लगी है आपको बता दें कि क्रियायोग वास्तव में गीता के सर्वजनीन सिद्धांतों का व्यवहारिक उपयोग है, क्रियायोग हमारे समस्त अच्छे बुरे दर्द आराम तथा सुख दुख की अनुभूति में सर्वव्यापी परमात्मा की उपस्थिति की याद दिलाने की क्रिया है जिससे इन में व्याप्त हमारी राग द्वेष की भावना समाप्त होने लगती है ' इसी प्रवृत्ति के विकास में हमारे अंदर का अपना पराया सुख-दुख धर्म जाति व देश की संकीर्ण प्रवृतियां विलीन होकर सर्वत्र एक ही सच परमात्मा की उपस्थिति का भाव प्रकट होने लगता है, यह अनुभूति सुबह-शाम प्रतिदिन क्रियायोग के आभामंडल में अनवरत साधना में लीन देश व विदेश के साधकों में देखने को मिल रहा है।

अमोघ मरहम की तरह है क्रियायोग की साधना

अंतर्राष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने अपने समस्त देश व विदेश के साधको को एक संदेश यह भी दिया कि बड़ी से बड़ी बीमारी अगर आए तो अनवरत क्रियायोग की साधना व रिचार्जिंग क्रिया प्रतिदिन सुबह शाम करते रहें बीमारी अपने आप स्वत : दूर हो जाएगी ' तथा विभिन्न शहर से आए हुए साधकों के द्वारा किए गए प्रश्नों के सवाल जवाब को भी स्वामी जी ने अच्छे से समझाया, उन्होंने कहां कि एक अच्छा परिवार, सुखी परिवार, खुशहाल परिवार, वही होता है जो परमात्मा की सर्व व्यापकता को महसूस करना जानता हो ' जब क्रियायोग की साधना प्रतिदिन करते रहेंगे तो अपने आप परमात्मा की सर्वव्यापकता महसूस होने लगेगी ' गुरु जी ने यह भी बताया कि क्रियायोग ध्यान करने से घर में तानाशाही जैसा माहौल खत्म हो जाता है और एक दूसरे में अटूट प्रेम उत्पन्न हो जाता है।

इंटर हाउस वालीबाल टूनार्मेन्ट का समापन

पुरुष वर्ग में रेड हाउस ने जीता फाइनल, महिला वर्ग में पिंक हाउस बना विजेता

नैनी। सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (शुआट्स) में शुक्रवार को पुरुष और महिला वर्ग में इंटर हाउस वॉलीबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मैच खेला गया। पुरुष वर्ग में फाइनल मैच वॉलीबॉल कोर्ट में रेड हाउस और येलो हाउस के बीच खेला गया। रेड हाउस ने फाइनल मैच 25-22, 25-20 से जीतकर टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम किया। पिंक हाउस तीसरे स्थान पर रहा जबकि ब्लू हाउस को चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा। महिला वर्ग में पिंक हाउस ने फाइनल मैच में येलो हाउस के खिलाफ 25-17, 25-21, 15-10 से जीत दर्ज की व खिताब पर कब्जा जमाया। ब्लू हाउस तीसरे स्थान पर रहा जबकि रेड हाउस को चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा। एथलेटिक्स समिति के अध्यक्ष डॉ. सी जे वेसली ने श्री आशीष मैसी (वॉलीबॉल प्रभारी) को इंटर हाउस वॉलीबॉल टूनार्मेंट के लिए सफल आयोजन के लिये धन्यवाद दिया। मुख्य अतिथि जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रभात कुमार राय थे, जिन्हें डॉ. सी.जे. वेस्ले ने पौधा प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री आनंद शर्मा को डॉ. देवराज बडागु द्वारा सम्मानित किया गया। श्री पंकज शुक्ला, राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं संयुक्त सचिव जिला वॉलीबॉल संघ प्रयागराज को भी डॉ. शामला एस मसीह, चीफ वार्डन द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने ईश्वर से प्रार्थना की कि विश्वविद्यालय में फिर से अच्छे दिन आए और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को सच्ची खेल भावना और जुनून के साथ खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने फाइनल मैच के समापन समारोह के अवसर पर विजेता और उपविजेता टीम को बधाई भी दी। पुरस्कार वितरण के समय खेल समिति के अध्यक्ष डॉ. सीजे वेस्ले, डॉ. देवराज बडगू, श्री गुह्येश्वर राय, डॉ. प्रियंका सिंह, श्री मनीष टिर्की, श्री मोहम्मद मजीद, डॉ. गौरव यादव सहित शारीरिक शिक्षा विभाग के कर्मचारी एवं छात्र मौजूद थे। पुरुष वर्ग में रेड हाउस के राहुल शर्मा टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे जबकि टूनार्मेंट के होनहार खिलाड़ी का पुरस्कार येलो हाउस के रतन सोनी को दिया गया। इसी प्रकार महिला वर्ग में टूनार्मेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी येलो हाउस की अंजना मिश्रा रहीं जबकि टूनार्मेंट की होनहार खिलाड़ी का पुरस्कार पिन हाउस की कंचन राय को दिया गया।

शिवपाल यादव ने किया लेटे हनुमानजी का दर्शन, बलवीर गिरि भी रहे मौजूद

मंदिर के कार्यालय कक्ष में बलवीर गिरि व शिवपाल यादव

अखंड भारत संदेश

कुछ देर तक वह मंदिर के कार्यालय में रुके और बलवीर गिरि से बातचीत की

प्रयागराज। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने शुक्रवार को संगम तट पहुंचकर लेटे हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। उनके साथ बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। उनको दर्शन पूजन लेटे हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने कराया। वह मंदिर पर करीब आधे घंटे तक रहे। सामाजिक परिवर्तन यात्रा लेकर प्रदेश भ्रमण पर निकले शिवपाल यादव और उनके पुत्र आदित्य यादव गुरुवार को प्रयागराज पहुंचे थे। कौशाम्बी और प्रयागराज में जनसभाओं को संबोधित कर कार्यकताओं से बातचीत की। इस दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों के लिए पार्टी से प्रत्याशी और प्रभारी भी घोषित किया। रात्रि विश्राम के बाद शिवपाल शुक्रवार को दोपहर दर्शन पूजन के लिए संगम तट पर स्थित लेटे हनुमान मंदिर पर पहुंचे। महंत बलवीर गिरि ने उन्हें दर्शन पूजन कराया। इसके बाद कुछ देर तक वह मंदिर के कार्यालय में रुके और बलवीर गिरि से बातचीत की। करीब आधे घंटे के बाद वह काफिले के साथ रवाना हो गए।

विरोध प्रर्दशन की तैयारी में जुटा भाकियू

27 अक्टूबर को होगी किसान पंचायत : राजू चौबे

कोरांव। भारतीय किसान यूनियन(भानू) के पदाधिकारियों ने गत दिनों तहसील में ज्ञापन देकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह पटेल का 31 अक्टूबर का कार्यक्रम रोकने की धमकी दी है। इसी क्रम में दिन शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन भानू के जिलाध्यक्ष राजू चौबे के नेतृत्व में कई पदाधिकारियों ने क्षेत्र के कई गांव करपिया रतेवरा लेडियारी किहूनी समेत अन्य गांवों का भ्रमण कर किसानों की छोटी-छोटी चौपाल के माध्यम से संगठन की बात की और किसानों से क्षेत्रीय समस्याओं पर रूबरू हुए इस दौरान बहरइचा प्रधान शंकर दयाल तिवारी के आवास पर नुक्कड़ सभा की जिसमें क्षेत्रीय किसानों ने रास्ता न होने के कारण विगत वर्षो से लेडियारी मंडी बंद होने की बात कही वही स्वतंत्र भारत के बाद आज तक बैजला ग्राम सभा में कोई रास्ता न होने की बात कही बघोल बजरंग बली मंदिर घाट से महुली इटवा संपर्क मार्ग पर लपरी नदी में पुल न होने के कारण अभी तक दर्जनों किसानों ने नदी में डूब कर अपनी जान गवाई क्षेत्रीय किसानों ने आवारा पशु धान क्रय केंद्र में व्याप्त भ्रष्टाचार अघोषित विद्युत कटौती क्षेत्रीय समस्या प्रमुखता से रखी।किसानों का हौसला बढ़ाते हुए किसान नेता राजू चौबे ने कहा कि हम सब किसानों ने योगी को नहीं भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास कर मतदान किया था और 31 अक्टूबर को प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष क्षेत्रीय समस्याओं को विरोध प्रदर्शन कर रखा जाएगा मांग पूरी ना होने पर सभी किसानों ने कार्यक्रम का बहिष्कार करने की बात कही उसके पहले 27अक्टूबर को बहरैचा गांव में बड़ी किसान पंचायत करने की बात कही कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पिंटू चौबे युवा जिलाध्यक्ष चर्चित किसान नेता राजेश पांडेय प्रकाश चंद पटेल सर्वेश पाण्डेय संतोष कुमार भूतीर्या बब्बू तिवारी कामता प्रसाद यादव भूपेंद्र मिश्रा अनूप तिवारी भारद्वाज तिवारी रमाशंकर भूर्तिया विनोद कुमार हरक लाल यादव हरे कृष्ण तिवारी अमरनाथ यादव पवन कुमार कृष्ण कुमार तिवारी प्रकाश द्विवेदी अरविंद तिवारी के साथ सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

प्राइमरी टीचर ने उत्तीर्ण की पीसीएस परीक्षा, सीडीपीओ के पद पर तैनात

कौड़िहार ब्लाक के रसूलपुर चांदी कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर रहीं तैनात

प्रतियोगी परीक्षा में लगातार प्रयास ने शिखर पर पहुंचाया

कौड़िहार खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने शाल देकर किया सम्मानित

कौड़िहार के कम्पोजिट स्कूल रसूलपुर चांदी में विदाई समारोह में शामिल लोग।

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। प्राइमरी स्कूल में नौनिहालों का भविष्य संवारने के साथ लोक सेवा आयोग की आयोजित परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए शिक्षिका ने पीसीएस की उपाधि अपने नाम कर लिया। लखीमपुर खीरी में सीडीपीओ पद पर तैनाती मिलने से पूर्व विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। फूलों की माला और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। विकासखंड कौड़िहार के रसूलपुर चांदी कम्पोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात प्रियंका कुमारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए नौनिहालों का भविष्य संवारती रहीं। पति नेवी में जेई के पद पर तैनात हैं। मूल रूप से गोंडा जनपद की रहने वाली प्रियंका कुमारी बेसिक स्कूल में पठन-पाठन के साथ लगातार लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होती रहीं। 6 माह पूर्व यूपीपीएससी परीक्षा में पीसीएस की परीक्षा पास कर जहां प्राइमरी स्कूल का नाम रोशन किया वहीं विकासखंड कौड़िहार को भी सुर्खियों में लाने का काम किया है। प्रियंका कुमारी को लखीमपुर खीरी जनपद में बाल विकास पुष्टाहार अधिकारी के पद पर जॉइनिंग लेटर मिलने के उपरांत शुक्रवार को बी ई ओ ओम प्रकाश मिश्रा की मौजूदगी में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।ु.ी.ड्ड. ओम प्रकाश मिश्रा ने संबोधित करते हुए प्रियंका कुमारी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अंगवस्त्रम भेट कर उन्हें सम्मानित किया। कौड़िहार प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक राधे कृष्ण ने विद्यालय में बच्चों से प्रियंका कुमारी के लगाव की विशेष चर्चा की। विदाई समारोह में ब्लॉक अध्यक्ष राधे कृष्ण, मंत्री बालेंद्र पांडे, विनीत सिंह यादव, आराधना यादव, दीनदयाल, प्रभा गुप्ता, सुषमा, अरविंद कुमार यादव, विजय कुमार, रामलाल प्रजापति, कुसुम आनंद, मोहम्मद अकरम, प्रियंका करवरिया, दिनेश कुमार, ककरा प्रधान रूप लाल यादव और अभिभावक समिति बच्चे उपस्थित रहे।

सज-धज के साथ निकला सहसों का रामदल

अखंड भारत संदेश

रथ पर सवार भगवान की झांकी व रामदल में शामिल पदाधिकारी

सहसों। ऐतिहासिक आदर्श रामलीला कमेटी सहसों का रामलीला मंचन के उपरांत राम द्वारा रावण का बधकर समाप्त हुआ। तत्पश्चात बुधवार को दशहरे मेले का आयोजन किया गया। आजादी के पूर्व से शुरू इस ऐतिहासिक राम लीला कमेटी द्वारा आज तक सुंदर अभिनय के द्वारा उत्तम कलाकारों से रामलीला का मंचन होता रहा। इस अवसर पर इस वर्ष भी 9 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक इस रामलीला का मंचन हुआ अंतिम दिन बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत के लिए मयार्दा पुरुषोत्तम राम द्वारा निशाचर रावण का वध कर समाप्त हुआ। तत्पश्चात बुधवार को सायंकाल दशहरे के मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कमेटी द्वारा रामलीला मैदान से शुरू होकर सज धज के साथ रामदल मंगल गीत की सुंदर ध्वनि के साथ सुंदर झांकी द्वारा निकाल कर पूरे नगर में घुमाया गया रामलीला मैदान से शुरू होकर आकर्षक झांकी द्वारा रामादल को गोल चौराहा होते हुए दुर्गा मंदिर ललचहां से वापस लौट कर रावण वध स्थल तक जाकर समाप्त हुआ। इस पर नगर वासियों ने रामदल को जगह जगह रोक कर महिला पुरुष भक्तों ने आरती उतारी, पूजा अर्चना की एवं मयार्दा पुरुषोत्तम राम जगत जननी माता सीता, लक्ष्मण सहित हनुमान जी की भी आरती उतार कर भगवान जगदीश्वर का भोग लगाकर प्रसाद का भक्तों ने वितरण भी किया। रामदल के साथ आदर्श रामलीला कमेटी के प्रबंधक महादेव सिंह के साथ-साथ ग्राम प्रधान विष्णु केसरवानी, अध्यक्ष अशोक कुमार केसरवानी, पूर्व प्रबंधक मनोज तिवारी, प्रबंधक शिवाजी इंटर कॉलेज तीरथ सिंह, उमेश केसरवानी, अजय केसरवानी, प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष अश्विनी कुमार द्विवेदी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिरुद्ध सिंह पटेल, भाजपा नेता आशीष केसरवानी, राजेन्द्र केसरवानी, लाल चन्द्र गुप्ता, फूल चन्द्र साहू, चन्द्र प्रकाश केसरवानी, राजधर द्विवेदी, भूमि विकास बैंक अध्यक्ष फूलपुर वीरेन्द्र बहादुर सिंह, अमरनाथ यादव, अनिल सरोज आदि शामिल रहे।

मुकुट पूजन के साथ ग्रामसभा गांधियांव में रामलीला का शुभारंभ

करछना। वि.ख.करछना अंतर्गत ग्राम सभा गांधियांव के रामलीला मंचन की अलग पहचान एवं इतिहास रहा है श्री शिशु रामलीला का शुभारंभ संरक्षक लोक विद् रामलोचन सांवरिया एवं अयोध्या प्रसाद यादव लाल बहादुर यादव मलाई की अध्यक्षता में फीता काटकर रामलीला का शुभारंभ किया सांवरिया जी ने अपने उद्बोधन में भगवान राम के जीवन चरित्रका बखान किया वो एसा कर जाएंगे विश्वास नहीं था, उनमें ऐसा क्या जो मेरे पास नहीं था ।पंक्तियों के माध्यम से महत्व पर प्रकाश डाला मुकुट पूजन,प्रार्थना के साथ साथ नारद मोह का भी मंचन उपस्थित ग्रामवासियों ने खूब सराहा डायरेक्टर अर्जुन प्रसाद विश्वकर्मा ,जय करन सिंह यादव ,मनोज कुमार यादव, कमलेश कुमार यादव पप्पू ,अरुण यादव, बृजेश तिवारी, वेदानन्द वेद ,मंगला प्रसाद गौड़, सहित वरिष्ठ कलाकारो का सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन मोहित यादव ने किया रामलीला पदाधिकारियों समरजीत यादव ,राजकुमार विश्वकर्मा राजू ,राहुल यादव महेश यादव ,ज्वाला सिंह यादव ,शिवाजीबंटू यादव ,प्रवीण , पंकज सौरभ अनूपचंद नन्हे प्रजापति ,श्रवण कुमार यादव ,विजय बहादुर , विश्वरूप विश्वकर्मा ,विनोद कुमार यादव के साथ साथ व्यास गद्दी पर त्रिभुवन प्रसाद , ढोलक पर छोटू कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लाल बहादुर यादव ने समस्त ग्राम वासियों के प्रति आभार जताया।

मंच पर उपस्थित पदाधिकारी

मनु ,सतरूपा की तपस्या से खुश विष्णु ने खुद को उनका पुत्र होने का दिया वरदान

घूरपुर। जय मां शारदा रामलीला नाट्य समिति परसरा बसंती के मंच पर चल रही रामलीला के मंचन पर गुरुवार की रात मनु तपस्या और रावण जन्म की लीला का मंचन सुयोग्य कलाकारों द्वारा अभिनीत किया गया । बहुत दिनों तक राज करते महाराज मनु ने अपने चौथे पन को आते देख अपने बेटे उत्तानपाद को राज्य का का कार्यभार सौंप अपनी पत्नी सतरूपा के साथ वन में तपस्या करने के लिए निकल जाते हैं। वर्षो तपस्या करने के बाद भगवान विष्णु प्रकट होते है और तपस्वी मनु से वर मांगने की बात करते हैं। तपस्वी दंपति भगवान विष्णु जैसे पुत्र की मांग करते हैं ,तो भगवान विष्णु कहते हैं है कि मैं अपने जैसा पुत्र कहा से ले आउ ,त्रेता युग मे जब रावण का अत्याचार बढ़ेगा और आप दोनों अयोध्या के राजा दशरथ और रानी कौशिल्या के रूप में होंगे तब मैं अपने अंशो सहित आपके यहां अवतरित होऊंगा और सम्पूर्ण पृथ्वी से राक्षसों का विनास करूंगा। इसके बाद मंच पर रावण और कुम्भकर्ण व विभीषण का जन्म दिखाया गया ।रावण का मय दानव की बेटी मंदोदरी से विवाह का मंचन बहुत भाव पूर्ण प्रदर्शित किया गया । रावण के पुत्र मेघनाद द्वारा सभी देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें बंदी बनाकर रावण के दरबार मे पेस किया गया। कार्यक्रम में जागृति कुमार पांडेय,राजधर द्विवेदी,शिवाजी द्विवेदी, छविनाथ द्विवेदी, प्रधान माधुरीमन,पूर्व प्रधान भौमेश द्विवेदी,योगेश पाठक, अविनाश त्रिपाठी,भूपेंद्र पाठक,शशिकांत पांडेय,दीनानाथ प्रजापति,आलोक पाठक,लालमन पाल आदि रहे।

परसरा की रामलीला में रावण जन्म का हुआ मंचन

रथ यात्रा लेकर आए शिवपाल यादव का हुआ स्वागत, भाजपा पर साधा निशाना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसपा की रथ यात्रा लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव शुक्रवार को देल्हूपुर, विश्वनाथगंज होते हुए प्रतापगढ़ पहुंचे। यहां विधान सभा चुनाव गठबंधन के सवाल पर कहा कि समान विचारधारा व सेकुलर पार्टी के एक होने का लगातार प्रयास कर रही है ताकि भाजपा को हराया जा सके।

शिवपाल यादव के जनपद में पहुंचने पर जूनियर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विनोद पाण्डेय के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश के कार्यकर्ताओं का सहयोग प्रसपा को मिल रहा है और वह विधान सभा चुनाव में अधिक से अधिक सीट पर लड़ने का प्रयास करेगी।

मोबाइल पाकर स्मार्ट हुई आगनबाड़ी कार्यकत्री

पट्टी, प्रतापगढ़। बाबा बेलखरनाथ धाम के ब्लाक प्रमुख सुशील सिंह ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन प्रदान किया। स्मार्टफोन पाकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रसनन दिखाई दी। शासन की मंशा है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री अब पूरी तरीके से स्मार्ट रहे इसके लिए प्रसव तथा बच्चे के टीकाकरण आदि के लिए उन्हें रजिस्टर के बजाय स्मार्टफोन में हर कागजात और सुविधाएं प्रदान की जा रही है इसी क्रम में बाबा बेलखरनाथ धाम सुशील सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन दिया इस अवसर पर अजय सिंह टक्कू संजीव सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर ब्लास्ट मे घायल की मौत, मचा कोहराम

पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने मेडिकल कालेज मे भर्ती घायलों से की मुलाकात

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। ट्रामा सेंटर के समीप बुधवार को ट्रांसफार्मर ब्लास्ट मे चार घायलों मे से एक की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी। भदारीकला निवासी जगदीशचंद्र के पुत्र सूर्यभान सिंह 35 का प्रयागराज के एसआरएन में शुक्रवार को निधन हो गया। जानकारी होते ही यहां घर परिवार मे कोहराम मच गया। मृतक सूर्यभान के शव का दोपहर बाद एसआरएन मे पीएम कराया गया। इधर तीन अन्य घायलों की भी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

बता दें ट्रामा सेंटर के समीप बुधवार को हुए ट्रांसफार्मर ब्लास्ट मे पांच लोग घायल हो गये थे। इनमे से चार को गंभीर दशा मे प्रयागराज रेफर कर दिया गया था। शुक्रवार की शाम केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी भी एसआरएन पहुंचे और घायलों के इलाज के प्रबन्धों की जानकारी ली। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के मुताबिक प्रमोद तिवारी ने मेडिकल कालेज प्रशासन से स्वयं तथा विधायक मोना की ओर से अन्य घायलों के समुचित उपचार का भी अनुरोध किया है। वहीं विधायक मोना तथा प्रमोद तिवारी ने ब्लास्ट में सूर्यभान सिंह की आकस्मिक मृत्यु पर गहरा दुख जताया है। इधर जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरूवार को राजस्व टीम ने भी एसआरएन पहुंचकर घायलों के उपचार के लिए प्रशासन की ओर से बीस हजार रूपये प्रदान किये। गौरतलब है कि क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना व सीडब्लूयूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री तथा डीएम से वार्ता कर घायलों के सरकारी उपचार के बंदोबस्त कराये जाने का भी गुरूवार को अनुरोध किया था।

डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ोत्तरी आम आदमी के जले पर नमक छिड़कना: प्रमोद तिवारी

क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों की सुनी समस्याएं

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं यूपी आउटरीच एण्ड कोआर्डिनेश कमेटी के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने प्रदेश के एक मंत्री के पेट्रोल और डीजल के दाम बढोत्तरी से जुडे एक बयान को मंहगाई से जूझ रहे आम आदमी के जख्म पर जले पर नमक छिडकना करार दिया है। श्री तिवारी ने मंत्री के इस बयान कि पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से आम आदमी पर इसका कोई फर्क नही पड़ रहा है क्योंकि बहुत कम लोगों के पास चार पहिया वाहन है। शुक्रवार को नगर स्थित क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर पत्रकार वार्ता मे श्री तिवारी ने कहा कि पहले एक केन्द्रीय मंत्री का इस तरह गैरजिम्मेदाराना बयान आया और फिर मंहगाई नही बढने को लेकर प्रदेश मे सत्तारूढ दल के अध्यक्ष का बयान संभवतः अब सरकार के कैबिनेट मंत्री के भी सत्ता के नशे मे चूर होने का स्पष्ट प्रमाण बनकर सामने आया है। इसके पूर्व प्रमोद तिवारी ने कैंथौला गांव पहुंचकर हाल ही में दुर्गा पूजा विर्सजन के दौरान सई मे डूबने से हुई युवक की मृत्यु पर परिजनों से मिलकर संवेदना जताई। सीडब्लूयूसी मेंबर ने बेलहा गांव मे रामबाबू श्रीवास्तव तथा धारूपुर मे रामफकीरे साहू के संयोजन मे चल रही भागवत कथा मे भी शामिल हुए। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, लालगंज प्रमुख अमित सिंह, सुधाकर पाण्डेय, केडी मिश्र, ददन सिंह, पप्पू तिवारी, श्रीकांत मिश्र, शैलेंद्र मिश्र, शिव बहादुर सरोज, छोटेलाल सरोज, झुनन तिवारी, रामबोध शुक्ल, हरिश्चंद्र अग्रहरि, विवेक शुक्ल, त्रिभु तिवारी, डा. अमिताभ शुक्ल, लल्लन सिंह, तपन पाण्डेय आदि रहे।

डा0 मनोज एमडीपीजी व शैलेन्द्र बने हेमवती नंदन बहुगुणा के प्राचार्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर के एमडीपीजी कालेज के पांच वरिष्ठ प्राध्यापकों की नियुक्ति अलग-अलग महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद पर हुई है। इससे महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। इसके अलावा पीबी सनतकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 बृजभानु सिंह प्रतापगढ़ सीमा के समीप सलोन स्थित सवीदय महाविद्यालय के प्राचार्य बनाये गये हैं।

बताया जाता है कि एमडीपीजी कालेज के प्राध्यापक डा0 मनोज मिश्र एमडीपीजी कालेज में ही प्राचार्य होंगे। इसी महाविद्यालय के डा0 शैलेन्द्र कुमार मिश्र हेमवती नंदन बहुगुणा सनतकोत्तर महाविद्यालय लालगंज के प्राचार्य बनाये गये हैं।

इसी महाविद्यालय के डा0 अखिलेश पाण्डेय डिग्री कालेज पट्टी, डा0 अमिता मिश्रा को महिला सेवा सदन प्रयागराज तथा डा0 राजीव मालवीय को जंघई स्थित डिग्री कालेज का प्राचार्य बनाया गया है। डा0 मनोज मिश्र एमडीपीजी कालेज के प्राचार्य पद से अवकाश ग्रहण किये डा0 जेपी मिश्रा के पुत्र हैं। अपने पिता की कुर्सी पर इसी महाविद्यालय में उन्हें प्राचार्य की कुर्सी मिल गई है।

आज एमडीपीजी कालेज में पांच-पांच प्राध्यापकों के प्राचार्य बनने से खुशी में एक दूसरे को बधाई देते नजर आए। पीबी सनतकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 बृजभानु सिंह अपने कार्यकाल में पीबी सनतकोत्तर महाविद्यालय को आगे बढ़ाने में बहुत सहयोग किया है। उनका पीबी कालेज से जाने से पीबी कालेज के स्टाफ गमगीन है लेकिन आयोग और शासन के निर्देश पर शायद वह सवीदय महाविद्यालय सलोन के प्राचार्य का पद स्वीकार करेंगे।

दो दिवसीय कंस वध लीला मेला का आयोजन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज में कंस वध लीला मेला के पहले दिन शुक्रवार को मेलाथिर्यों की भारी भीड़ देखने को मिली। मेले में खाने पीने व लकड़ी के बने सुंदर सुंदर फर्नीचर सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। मेले में सबसे ज्यादा गुड़ की बनी जलेबी व चाट बतासा की जमकर बिक्री हुई। मेले में सुरक्षा की दृष्टि से दर्जनों महिला पुरुष सिपाहियों की डियूटी थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने लगा रखी थी जिसकी देख रेख स्वयं व एस आई सुरेंद्र सिंह व रामअधार यादव शरारती तत्वो पर पैनी नजर रखे हुए थे। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी एक से बढ़कर एक लगे हुए थे। मेला कमेटी के अध्यक्ष राम गोपाल अग्रहरि, प्रबंधक संतोष कुमार अग्रहरि, कोषाध्यक्ष रामखेलावन अग्रहरि, संयोजक रामेश्वर प्रसाद अग्रहरि, महामंत्री विवेक अग्रहरि मेले की सुरक्षा देखरेख व सुरक्षा ब्यवस्था में मुस्तैदी से कार्यकर्ताओ के साथ डटे रहे। मेले में कमेटी द्वारा सजाकर रखा गया कंस का पुतला लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है जिसमे समापन के दिन शनिवार को बाल कलाकार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके पुतले को आग के हवाले करके मेले का समापन किया जाएगा।

सीएचसी की आशा बहुओं ने मानदेय को लेकर दिया धरना

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। सीएचसी कालाकांकर की 158 आशा बहुओं ने शुक्रवार को कालाकांकर सीएचसी में मानदेय को लेकर धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के नाम मांग पत्र दिया जिसमें 18 अक्टूबर से संचारी रोग कार्य का बहिष्कार करते हुए वेतन पुनः निरीक्षण की मांग किया। जिसमे सुशीला देबी एवं सरिता मिश्र की अगुवाई में सभी आशा बहुएं मौजूद रही।

मामूली बात पर युवक को मारी गोली, एक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र के नूरपुर कासापुर में मोहम्मद मो0 अनीस की आटा चक्की और परचूर्न की दुकान है। उसी दुकान को मो सेबू चलाते हैं। वहीं पर पड़ोस के ही आधा दर्जन लोगेघात लगाकर किसी को मारने के लिए बैठे थे। इस बात की भनक जब सेबू को हुई तो उसने विरोध किया कि हमारी दुकान पर मारपीट मत करो। इसी बात से गुस्सा कर उन लोगों ने सेबू को ही गोली मार दिया। घटना की सूचना मिलते ही सेबू के ननिहाल के लोग वहां इकट्ठा हो गए और मुल्जिमों को दौड़ा लिया तो मुल्जिमान जिस गाड़ी से आये थे। सब छोड़ कर भाग गए। गुस्साए गांव वालों ने गाड़ी को आग के हवाले कर दिये। इसी बीच घटना की सूचना पाकर मानधता पुलिस मौके पर पहुंची तो मौके से एक आरोपी मोहम्मद आमिर को पकड़ कर थाने ले आई। सेबू के हाथ में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए मानधाता अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल सेबू अपने ननिहाल में ही रहता है। उसका घर मूल रूप से दुबाही थाना में मऊआइमा जनपद प्रयागराज है। नूरपुर कासापुर में आटा चक्की व किराना दुकान चलाता है। मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

देश-राग का दस दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बच्चों को राष्ट्रीय भावना के गीतों का निःशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसका शुभारंभ शुक्रवार को पतंजलि योग समिति के पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी दुर्गेश योगी वरिष्ठ योग प्रशिक्षक तथा प्रतापगढ़ व्यापार मण्डल के जिला उपाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह गोविंद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। देश राग नाम से आयोजित इस कार्यशाला में इन्द्रप्रताप सिंह, लक्ष्मी देवी वरिष्ठ संगीतज्ञ व

ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ शिवानी मातनहेलिया के निर्देशन में 25 से अधिक बच्चों को देशगीतों का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। छोटे बच्चों में देशप्रेम की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में भारत को जानो विषय पर प्रतिदिन प्रशनेत्तरी भी होती है, जिसके लिए प्रतिभागियों का उत्साह देखने योग्य होता है।

रीयीक्क्सी त्रीखपी बीजम घीोट्टीजीकैनी सरीीजगसी: णीजत्र बीजम ीत्रीीीत्र णीजत्रीज पीील घीोझ झसीरीीि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस लाइन परिसर में स्पोर्ट्स खेल का आयोजन किया गया जिसमें प्रयागराज मण्डल की छह जिलों की टीमें अलग-अलग खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने स्पोर्ट्स खेल आयोजन का उद्घाटन किया।

उद्घाटन मैच प्रतापगढ़ व फतेहपुर के बीच खेला गया। प्रतापगढ़ टीम में एसपी भी शामिल थे। उन्होंने प्रतापगढ़ को विजयश्री दिलाई। पुलिस अधीक्षक को वालीवाल खेलते पहली बार लोगों ने देखा। बता दें कि पुलिस लाइन परिसर में प्रयागराज जोन की आठ टीमें आनी थी लेकिन किसी कारणवश छह टीमें जिसमें प्रतापगढ़, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर की टीम हिस्सा ले रही है। इस स्पोर्ट्स खेल में केवल पुलिस विभाग के खिलाड़ी ही प्रतिभाग कर रहे हैं। इस स्पोर्ट्स खेल में वालीबाल, बास्केट बाल, टेबिल टेनिस का आयोजन किया गया है। उद्घाटन समारोह में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा, सीओ लाइन अभय कुमार पाण्डेय तथा आरआई सोमदत्त शुक्ला भी मौजूद रहे।

खडे़ ट्रक में घुसी कार, तीन घायल

अमरगढ़ पट्टी से प्रतापगढ़ जाते समय कंधई थाना क्षेत्र के पिपरी मोड़ के पास पूर्णमासी स्कूल के समीप हादसा हो गया। एर्टिगा कार खड़े ट्रक वाहन में पीछे से आकर ठोक दिया। आगे की सीट पर बैठे हुए तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। मौके पर ताला चौकी इंचार्ज महेंद्र सिंह मय फ़ोर्स पहुँचे। घटना स्थल पर घायलों को जिला अस्पताल भेजवा। घटना शाम चार बजे कंधई थाना क्षेत्र के पिपरी मोड के पास घटी।

एनसीसी शिविर का ग्रुप कमाण्डर बिग्रेडियर ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। 18 यूपी बटालियन एनसीसी प्रतापगढ़ के तत्वावधान में राजकीय पालीटेकिन्क कालेज चिलबिला के परिसर में एनसीसी कैडेटों हेतु आयोजित शिविर में शुक्रवार को एनसीसी ग्रुप मुख्यालय प्रयागराज के ग्रुप कमाण्डर ब्रिगेडियर केपी कृष्णा कुमार ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ प्रयागराज ग्रुप मुख्यालय के टेड्ढनिंग आफीसर ले0 कर्नल पी0पी0 दामोदरन भी थे। इस दौरान कैडेटों ने उन्हें सलामी दी। उसके बाद अधिकारियों ने शिविर में चलाये जा रहे प्रशिक्षण का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कैडेटों के निवास, मेस, कार्यालय, स्टोर, भोजनालय आदि का भी निरीक्षण किया। इस दौरान बिग्रेडियर ने कैडेटों से कहा कि अपने जीवन में अनुशासन, समय का सदुपयोग व राष्ट्रीय एकता की भावना बनाए रखें। बता दें कि इस शिविर में 23 सैन्य कर्मचारी के साथ 15 महाविद्यालयों के 402 बालक व 232 बालिकाएं प्रशिक्षण में लगे हुए हैं। कैडेटों के प्रशिक्षण हेतु सूबेदार मेजर पूरनचंद्र, सूबेदार टीबी आले, नायब सुबेदार राकेश कुमार तिवारी, हवलदार सतीश भट्ट, हवलदार मनोज कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। निर्माण कार्य के दौरान छत से गिरे मजदूर की इलाज के दौरान आकस्मिक मौत हो गयी। मजदूर की मौत की जानकारी घर पहुंची तो परिजनों मे कोहराम मच गया। उदयपुर थाना के खानीपुर निवासी रामप्यारे सिंह के पुत्र अजय कुमार सिंह गुरूवार को नीर का पुरवा पूरे लोका मे गया था। वहां गांव के बुधराम गुप्ता व लालचंद्र गुप्ता का शौचालय बना था। विवाद के चलते लालचंद्र गुप्ता मजदूरों के द्वारा शौचालय गिरवा रहा था। इस बीच शौचालय का छत अजय के ऊपर गिर गया और वह मलबे मे दब गया। लोगों ने अजय को किसी तरह मलबे से निकाला और घायलावस्था मे उसे लेकर सांगीपुर सीएचसी गये। सांगीपुर मे घायल अजय की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया।

नगर में महापुरुषों की मूर्तियों की आधुनिक मशीन से हुई सफाई

नगर में सफाई के अलावा हुआ एंटी लार्वा का छिड़काव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के विभिनन्न चौराहों पर लगी महापुरुषों की मूतिर्यों की नगर पालिका ने शुक्रवार को आधुनिक मशीन से धुलाई व सफाई की। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका की अध्यक्षा प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह द्वारा बनाई गई कार्य योजना के तहत नगर में अम्बेडकर चौराहा,

राजापाल टंकी चौराहा, ट्रेजरी चौराहा, भंगवा चुंगी, पंजाबी मार्केट व लोहिया पार्क में लगी महापुरुषों की मूतिर्यों पर आधुनिक मशीन ले जाकर पानी का छिड़काव व साफ-सफाई कराई गई।

बताया जाता है कि आधुनिक मशीन से दूर तक तेज रफ्तार में पानी का छिड़काव किया जा सकता है। इसके अलावा गायघाट रोड पर नाला गैंग नाले-नालियों की साफ-सफाई कर रहा था तो जेसीबी व ट्रैक्टर लगाकर मीरा भवन क्षेत्र में कांशीराम कालोनी की सफाई की गई। इसी प्रकार पल्टन बाजार व अचलपुर में सफाई के लिये नाला क्लीनिंग मशीन लगाई गई थी। इसके अलावा मच्छरजनित रोगों के रोकथाम के लिये नगर के बलीपुर, विवेक नगर तथा करनपुर में एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया।

खबर संक्षेप

अभियुक्त को तीन वर्ष की कारावास की सजा

कौशाम्बी। कोखराज थाना पर पंजीकृत पाक्सो एक्ट के अभियुक्त ट्विंकल केशरवानी पुत्र दिलीप कुमार केशरवानी निवासी मेहता रोड भरावरी थाना कोखराज को न्यायालय स्प0 जज पाक्सो एक्ट द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर मिशन शक्ति के तहत गंभीर एंव जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्त को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कराते हुए मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से 3 वर्ष की कारावास तथा 1500 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया गया अर्थ दंड न देने पर चार माह कारावास की सजा सुनाई गई।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कड़ाधाम पुलिस द्वारा दो वांछित अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकारी के मुताबिक जमील पुत्र बहारुद्दीन निवासी घोसियाना सीपाह थाना कड़ाधाम व रईस अहमद पुत्र मो0 कासिम निवासी गिरधरगढ़ी थाना कड़ाधाम को गिरफ्तार कर कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना सैनी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त मो0 रियाज पुत्र मो0 मूसा निवासी डोरमा थाना सैनी को गिरफ्तार कर कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

कोरोना के दृष्टिगत कार्यवाही

कौशाम्बी। जिले में अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने व मास्क न लगाने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमें 123 वाहनों का ई चालान किया गया व 1 वाहन से 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया व बिना मास्क लगाए घूम रहे नौ व्यक्तियों से 1050 रुपए जुमार्ना वसूला गया।

तालाब के पास अजगर निकलने से हड़कंप

अझुवा कौशाम्बी। नगर पंचायत अझुवा वार्ड नं 5 के बंधवा तालाब के पास एक विशाल अजगर निकल आया धान के खेत में गए लोगो ने अजगर देखा तो हड़कम्प मच गया जिसे देखने के लिए मौके पर तमाम ग्रामीणों की भीड़ लग गयी वार्ड नं 5 के कुछ उत्साही नगर वासियों ने अजगर को पकड़कर अजमतपुर ले गए वहीं स्थानीय लोगो ने वन विभाग को सूचना दे दी है वन विभाग की टीम अजगर को अपने साथ ले गयी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अजगर करीब 7 फुट लंबा और लगभग 40 किलो वजनी रहा है।

गायब वृद्ध की कुएं से निकली लाश

सवाल उठना लाजमी है कि गुरुवार को शौच गए रामचरन के वापस न लौटने के बाद परिजनों ने उनकी खोजबीन रात में क्यों नहीं की

कुएं से लाश निकालने की जानकारी पर मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के दरहा गांव से 21 अक्टूबर की रात परिस्थितियों में एक बृद्ध गायब हो गया बुद्ध के गायब होने के बाद उसकी खोजबीन की लेकिन कहीं पता नहीं चल सका शुक्रवार की सुबह गांव के एक बंद नलकूप के कुएं से वृद्ध की लाश मिली है पुलिस ने कुएं से लाश निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वृद्ध कुएं में कैसे पहुंचा यह बड़ी जांच का विषय है परिजनों का कहना है कि वह टेंशन में रहता था और टेंशन के चलते उसने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर लिया है लेकिन अब सवाल उठता है कि उन्होंने इस बात को रात में क्यों नहीं बताई सुबह लाश मिलने के बाद परिजनों ने आत्महत्या करने की बात क्यो बताई।

जानकारी के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के दरहा गांव निवासी रामचरण उम्र 60 वर्ष पुत्र जयराम रैदास अपने चार लड़की दो लड़के पत्नी के साथ जीवन गुजार रहे थे लेकिन अचानक वह गुरुवार को गायब हो गए शुक्रवार की सुबह गांव के बाहर एक बंद पड़े नलकूप के कुएं में उनकी लाश पड़ी होने की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने कुएं से लाश निकाली है शरीर में चोट के तमाम निशान है पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिजनों का कहना है कि वह गुरुवार को शाम शौच के लिए गए थे लेकिन वापस नहीं लौटे अब सवाल उठता है कि रामचरन के वापस न लौटने के बाद परिजनों ने उनकी खोजबीन रात में क्यों नहीं की पूरी रात परिजनों ने उनके गायब होने की जानकारी ग्रामीणों को भी नहीं दी पुलिस को भी उनके गायब होने की सूचना रात में क्यों नहीं दी दूसरे दिन कुएं से लाश निकलने के बाद परिजन उसके कुएं में गिरने की बात कर रहे हैं मामला पेचीदा समझ में आ रहा है और इस मामले में जांच हुई तो रामचरण की मौत का रहस्य उजागर होगा।

वाहन चालक की निकली अज्ञात लाश, दो गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

अखंड भारत संदेश की खबर पर जागा पुलिस प्रशासन

कौशांबी। जिले में अज्ञात लाशों के मिलने का सिलसिला आम बात हो गई है इस बात को लेकर अखंड भारत संदेश समाचार पत्र ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर पुलिस प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए खबर में लिखा था कि चालकों को अगवा कर उनकी हत्या कर ट्रक और वाहन लूटने वाले गिरोह के सदस्य सक्रिय हैं खबर को पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लिया और सराय अकिल थाना क्षेत्र के दुगार्पुर नहर पुल के पास मिली अज्ञात लाश की पुलिस ने शिनाख्त करा लिया है पुलिस के मुताबिक मृतक हरियाणा प्रांत के पानीपत जिले के चांदनी बाग का वाहन चालक नरेंद्र पुत्र लक्ष्मण सिंह के रूप में पहचान हुई है पुलिस ने चालक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस ने अपनी जांच की दिशा आगे बढ़ाई तो चालकों की हत्या करने वाले गिरोह के सदस्यों तक पुलिस के हाथ पहुंच गए और इस अज्ञात लाश की शिनाख्त करते हुए पुलिस ने चालक हत्याकांड का खुलासा कर दिया है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक घनश्याम दुबे इस गिरोह के सरगना है और उन्हें मुकदमे में नामजद किया गया था पुलिस ने अपनी जांच में शिवपूजन पासी पुत्र राम सखा निवासी तिल्हापुर थाना सराय अकिल और सुशील पाठक पुत्र अशोक पाठक निवासी जवई थाना पिपरी को भी अभियुक्त बनाते हुए शिवपूजन पासी और सुशील पाठक को पिपरी थाना क्षेत्र के बूंदा गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया है आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश कर दिया है।

गैर बसपा सरकारों से आजिज जनता अब जवाब देने को बेकरार : नीतू कनौजिया

बसपा नेत्री डॉ नीतू कनौजिया ने कहा कि बूथ मजबूत तो पार्टी मजबूत फतह होगा विधानसभा चुनाव 2022

अखंड भारत संदेश

ग्रामीणों के बीच मौजूद बसपा नेत्री डॉ नीतू कनौजिया

कौशाम्बी। बहुजन समाज पार्टी की मंझनपुर विधानसभा प्रत्याशी डॉ नीतू कनौजिया ने विधानसभा क्षेत्र के गांव में जनसंपर्क के दौरान कहा कि गैर बसपा सरकारों से जनता आजिज आ चुकी है और अब जनता परिवर्तन चाहती है उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में गैर बसपा सरकारों को जवाब देने के लिए जनता बेकरार है जनसंपर्क के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए डॉ नीतू कनौजिया ने कहा कि जिस तरह से कार्यकर्ता पार्टी की रीढ होते हैं, उसी तरह बूथ की भूमिका चुनाव को फतह करने में अहम होती है उन्होंने कहा कि बूथ यदि मजबूत है तो चुनाव के फतह करने से कोई नहीं रोक पाएगा। और बहुजन समाज पार्टी का प्रत्येक बूथ अध्यक्ष व सेक्टर अध्यक्ष अपने - अपने बूथों को मजबूत करने के लिए पूरी मजबूती के साथ जुटे हैं। बसपा नेत्री व मंझनपुर प्रत्याशी डॉ. नीतू कनौजिया मंझनपुर विधान सभा के डहरई, बाकरगंज, दाईकापूरा सहित तकरीबन एक दर्जन गांवों में गुरूवार को जनता के बीच बैठक कर बसपा की नीतियों को बताया। वहीं बूथ अध्यक्ष व सेक्टर अध्यक्षों के साथ भी बैठक किया। बूथ अध्यक्षों ने कहा कि वह लोग अपने-अपने बूथों में पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से लगे हैं। यहां तक की इस बार 2022 के विधान सभा चुनाव में गैर बसपा दलों की जमानत डूब जाए इस तर्ज पर काम किया जा रहा है। लोगों के बीच बैठक के दौरान बसपा नेत्री ने कहा कि भाजपा हो या फिर सपा उत्तर प्रदेश के दलित व पिछडों को सबने ठगा है। इनकी वोट से सरकार की सत्ता में पहुंचने के बाद इन्हीं को छलने का काम किया जाता है।उन्होंने कहा कि दलित मतदाता पूरी तरह से जान चुका है कि जब से प्रदेश में बसपा सुप्रिमो बहन मायावती की सरकार हटी है तब से उन्हें उपेक्षित ही रखा गया है। यहां तक की दलित समुदाय के लोग दबंगों के आतंक से भी परेशान हैं किसी की जमनी हडपी जा रही है तो किसी की बहु बेटियां सुरक्षित नहीं है। और जब दलित न्याय मांगने के लिए अफसरों की चौखट पर पहुंचता है तो उसे न्याय के बजाय दुतकारा जाता है। इसका हिसाब दलित मतदाता लेने के लिए बेकरार है। इस मौके पर मलिक सरोज, दिलीप चौधरी, सुधा देवी, सुमन देवी, कमलेश, श्यामलाल गौतम सहित सैकड़ो गांव की जनता मौजूद रही।

नि :शुल्क यूनीफार्म, स्कूल बैग के स्थान पर धनराशि बैंक खाते में

कौशाम्बी। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी द्वारा बताया गया कि शासन के निदेर्शानुसार कक्षा-1 से 8 तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के उपयोगार्थ उपलब्ध कराये जाने वाले निःशुल्क यूनीफार्म, स्कूल बैग एवं जूता-मोजा के स्थान पर इन सामग्रियों के क्रम से संबंधित धनराशि डीबीटी के माध्यम से सीधे छात्र-छात्राओं के माता पिता अभिभावकों के बैंक खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने समस्त खण्ड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है व्यापक प्रचार प्रसार कर सुनिश्चित किया जाय कि शत-प्रतिशत छात्र-छात्राओं के माता पिता अभिभावक का बैंक खाता आधार से सीडेड और सक्रिय हो जाय, तथा छात्र छात्राओं के माता पिता अभिभावक को तत्काल सूचित किया जाय कि वे अपना बैंक खाता जो आधार से लिंक हो उस बैंक खाते से गत दो माह के अन्दर कोई एक लेन-देन होना अनिवार्य है, अन्यथा डी0बी0टी0 की धनराशि भेजना संभव नहीं होगा।

न्यूज झरोखा

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2022 के संबंध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी ने निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की जानकारी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को देते हुए कहा कि बीएलए की सूची तैयार कर शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाय बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रमानुसार एकीकृत निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 01 नवंबर 2021 एवं अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2022 को किया जायेगा पुनरीक्षण 2022 के दौरान समस्त अर्ह मतादाताओं के नाम मतदाता सूची मे पंजीकृत करने तथा मतदाता सूची में विद्यमान त्रृटियों को दूर किया जा रहा है 01 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे अथवा पूर्ण कर चुके अर्ह युवा नागरिकों के नाम मतदाता सूची में फार्म-6 के माध्यम से अधिक से अधिक पंजीकरण करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2022 के आधार पर विधसानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण जारी कार्यक्रमानुसार मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन की तिथि 01 नवम्बर 2021 दावे-आपत्यिों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि 01 नवम्बर 2021 से 30 नवम्बर 2021 तक, विशेष अभियान की तिथियां 07 नवम्बर 13 नवम्बर, 21 नवम्बर एवं 28 नवम्बर 2021 निर्धारित की गयी है तथा दावे आपत्तियों का निस्तारण 20 दिसंबर 2021 तक किया जायेगा एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2022 को किया जायेगा बैठक में अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक दिन की उपजिलाधिकारी (नायिका) बनी मेधावी छात्रा

कौशाम्बी। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा मिशन शक्ति फेज 3 अंतर्गत मेगा इवेंट नायिका बालिकाओं तथा महिलाओं द्वारा सांकेतिक भूमिका निर्वहन कार्यक्रम का आयोजन तहसील मंझनपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत धर्मा देवी इंटर कॉलेज कैन कनवार की इंटरमीडिएट 2021 की मेधावी छात्रा कीती देवी पुत्री संतोष कुमार को 1 दिन की सांकेतिक (नायिका) उप जिलाधिकारी मंझनपुर नियुक्त किया गया। तहसीलदार मंझनपुर द्वारा कार्यभार ग्रहण कराया। कार्यक्रम के दौरान घनश्याम, मुन्ना छोटेलाल भोला बांकेलाल आदि की शिकायतें सुनी गई एवं संबंधित अधिकारी को तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बताया गया कि ऐसे कार्यक्रमों से महिलाओं तथा बालिकाओं को एक ओर इन पदों पर कार्यरत होकर कैसे पद गत दायित्वों का निर्वहन किया जाता है इसके प्रति जागरूकता होगी जिसके फलस्वरूप उन्हें देश प्रदेश के संवैधानिक व प्रशासनिक पदों पर पहुंचने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में तहसीलदार नायब तहसीलदार, जिला प्रोबेशन अधिकारी राजनाथ, संरक्षण अधिकारी अजीत कुमार, वन स्टॉप सेंटर मैनेजर शशि त्रिपाठी, सहित आईसीपीएस, तहसील व मुख्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेला की जमीन पर बने भवन को पुलिस ने किया धराशाही

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के मधवा मई गांव में मेला की जमीन पर कंचन पुत्र मंगल ने बीते महीने भवन निर्माण कर लिया था मामले की शिकायत ग्राम प्रधान और गांव के लोगों ने उप जिलाधिकारी से किया उप जिला अधिकारी ने मामले की जांच राजस्व निरीक्षक से कराई जांच के दौरान मेला की सरकारी भूमि पर भवन निर्माण की रिपोर्ट राजस्व निरीक्षकों ने दिया जिस पर उप जिलाधिकारी सिराथू के निर्देश पर जेसीबी मशीन लगाकर स्थानीय चौकी पुलिस ने अवैध भवन को धराशाई कर दिया है भवन गिराए जाने के बाद भवन निर्माण करने वाले कंचन कई लोगों के साथ जिलाधिकारी की चौखट पर पहुंचे हैं और चौकी पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने उनके भवन को गलत तरीके से जेसीबी मशीन से गिरा दिया है और तमाम सामान चौकी इंचार्ज ने तालाब में फेंक दिया है और कुछ सामान चौकी इंचार्ज उठा ले गए हैं शिकायतकर्ता का कहना है कि कुछ सामान भवन गिराए जाने के साथ उनके मकान के मलबे में दब गया है और कुछ सामान को चौकी इंचार्ज ने तोड़फोड़ कर नष्ट कर दिया है जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता कंचन को जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लकड़ी तोड़ने का आरोप लगाकर दबंगों ने बालक को पीटा

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के मलकिया गांव के 13 वर्ष के बालक लव कुश को गांव के असगर अली ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ मिलकर 13 सितंबर को बेरहमी से पीटा था मामले में करारी थाना से लेकर अधिकारी तक तहरीर दे कर मुकदमा दर्ज करने के प्रयास के बाद भी दबंगों के विरुद्ध मुकदमा नही दर्ज हुआ है 14 सितंबर को पुलिस अधीक्षक को भी महिला ने प्रार्थना पत्र देकर फरियाद किया है पीड़ित बालक की मां निर्मला देवी ने पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर दबंगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराए जाने की फिर मांग की है पीड़ित महिला निर्मला का कहना है कि बड़े बेटे को भी इन दबंगों ने कुछ वर्षों पहले पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया था इलाज के दौरान उसके बड़े पुत्र की मौत हुई है बड़े पुत्र की मौत के मामले में भी पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है।

विद्युत बिलों के ब्याज पर छूट का लाभ का सुनहरा अवसर

कौशाम्बी। एकमुश्त समाधान योजना के तहत किसानों घरेलू विद्युत बिल एवं वाणिज्यिक विद्युत बिलों के बकाया विद्युत बिलों पर ब्याज में छूट की घोषणा राज्य सरकार ने की है योजना के मुताबिक 2 किलो वाट तक के घरेलू विद्युत बिलों के साथ-साथ 2 किलोवाट तक के वाणिज्यिक विद्युत बिलों के बकाए पर ब्याज की रकम की 100% पूरी छूट की घोषणा की गई है किसानों के बकाए विद्युत बिल पर भी ब्याज की रकम में पूरी छूट की घोषणा सरकार ने की है इसी तरह 2 किलोवाट से अधिक 5 किलो वाट तक के वाणिज्यिक विद्युत बिलों के बकाए ब्याज पर 50% ब्याज पर छूट दिए जाने का निर्णय सरकार ने लिया है।

जनपद को मिले 21 प्राविधिक सहायक

विधायक ने 21 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को किया नियुक्ति पत्र वितरित

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री द्वारा लोक भवन लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा कृषि विभाग में 1863 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में किया गया तथा मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना गया विधायक मंझनपुर लाल बहादुर द्वारा नवचयनित 21 प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया विधायक द्वारा नवचयनित प्राविधिक सहायकों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया गया इस अवसर पर उप कृषि निदेशक उदयभान सिंह गौतम एवं जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार गौतम सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार ने अधेड़ को मारी टक्कर गम्भीर घायल

भरवारी कौशाम्बी। कोखराज थाना अंतर्गत पुलिस चौकी भरवारी क्षेत्र के परसरा हाईवे के पास तेज रफ्तार कार ने एक अधेड़ को टक्कर मार दिया है हादसे में अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया है मौके पर मौजूद लोगो ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया जहा पर उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार भरवारी नगर पालिका परिषद अंतर्गत रसूलपुर गिरसा गांव निवासी देश राज उम्र लगभग 55 वर्ष अपने गांव वापस जा रहा था जैसे देशराज परसरा चौराहे हाईवे के पास पहुंचा कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दिया हादसे में देशराज सड़क पर गिर पड़ा गंभीर चोटें आई हैं घटना के बाद कार चालक वाहन समेत फरार हो गया घटना की जानकारी होते ही स्थानीय लोगो ने घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल भेजवाया है जहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर गणराज्य बनाना है : एडीओ पंचायत

अखंड भारत संदेश

ग्राम पंचायत प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारी

कौशांबी। ग्राम पंचायत विकास योजना के अंतर्गत जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर द्वारा ग्राम पंचायत के सदस्यों को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सरस हाल में आयोजित किया गया शुक्रवार को दूसरे दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम था जहां ग्राम पंचायत के विकास योजनाओं पर वक्ताओं ने ग्राम पंचायत सदस्यों को सरकार के नियमों की जानकारी दी है गांव का विकास कैसे होगा सरकार गांव का विकास कैसे चाहती है इन तमाम बातों की जानकारी सदस्यों को प्रशिक्षण के माध्यम से दिया गया है उपस्थित ग्राम पंचायत सदस्यों को संबोधित करते हुए एडीओ पंचायत कमलाकांत मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर गणराज्य बनाना होगा इसका सबसे अच्छा तीव्र और कुशल तरीका है नियोजन की प्रक्रिया को नीचे से ऊपर कर लेकर जाना है उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत विकास योजना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है इसकी शुरूआत सन 2015 में हुई थी और जुलाई 2015 में भारत सरकार ने ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने के लिए दिशा निर्देश दिया और राज्यों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वह अपने भौगोलिक आवश्यकताओं के अनुसार इस दिशा निर्देश में संशोधन कर अपने-अपने राज्यों के लिए दिशा निर्देश जारी करें इसी क्रम में प्रशिक्षण दे कर सदस्यों को जागरूक किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना निर्माण हेतु ग्राम पंचायत के निर्वाचित वार्ड सदस्यों का दो दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहले दिन का प्रशिक्षण 21 अक्टूबर को विकास भवन स्थित सरस साल में संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरूआत

विकास योजना के निर्माण के संबंध में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

उपनिदेशक पंचायत प्रयागराज मंडल जयदीप त्रिपाठी ने किया था प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत विकास योजना निर्माण के संबंध में ग्राम पंचायत सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है 22 अक्टूबर को दूसरे दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी जनपद मुख्यालय मंझनपुर के विकास भवन स्थित सरस हाल में आयोजित कर ग्राम पंचायत सदस्यों को विकास योजना से संबंधित जानकारी दी गई है इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम सदस्यों को विकास से संबंधित कार्यो के लिए प्रशिक्षित किया गया कार्यक्रम में सहायक डीपीआरओ सीबी सिंह एडीओ पंचायत कमला कांत मिश्र पदमा सिंह संतोष कुमार शिव बली पंचायत सचिव विश्व बंधु मोहम्मद नसर दिनेश पाल जितेंद्र त्रिपाठी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

श्री राम बारात शोभायात्रा में उमड़ पड़ा जनसैलाब जगह जगह हुई पुष्प वर्षा

अखंड भारत संदेश

जय श्री राम के उद्घघोष से गुंजायमान हुआ अझुवा घोड़ा डीजे की धुन पर निकली बारात का जगह-जगह नगर वासियों ने किया स्वागत

रामलीला बारात में शामिल नगरवासी

अझुवा कौशाम्बी। धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवर के बाद अझुवा नगर पंचायत में रामलीला मंडली द्वारा प्रभु श्री राम की बारात को नगर भ्रमण कराया गया। प्रभु श्री राम की बारात के भ्रमण के दौरान नगरवासी बाराती बने और नगर में जगह-जगह पर प्रभु श्री राम की बारात का जोरदार स्वागत किया गया। आदर्श नगर पंचायत अझुवा में रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रामलीला मंडली द्वारा प्रभु श्री राम के जीवन पर आधारित लीला का मंचन किया जा रहा है गुरुवार की रात्रि धनुष यज्ञ सीता स्वयंवर के बाद शुक्रवार को दोपहर नगर की गली मोहल्ले में श्रीराम बारात शोभायात्रा का भ्रमण रामलीला मंडली द्वारा किया गया है डीजे घोड़ा सैकड़ो बारातियों के साथ श्री राम बारात शोभायात्रा नगर में निकाली गई श्री राम की बारात में शामिल होने के लिए नगरवासी उमड़ पड़े और जिस गली मोहल्ले से श्री राम बारात निकल रही थी नगर वासियों ने बारातियों का जोरदार स्वागत किया। नगर वासियों के अनुसार कस्बे में रामलीला कार्यक्रम वर्षों से होता आया है किंतु इस वर्ष जैसा भव्य धार्मिक उत्साह पूर्व में नही देखा गया। राम बारात रामलीला स्थल से सजधज स्कूली छात्र छत्राओं के साथ भोला चौराहे से होते हुए पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश कुशवाहा के पुरानी मंडी स्थित नए आवास पर पहुंची जहां बारातियों के लिए नाश्ता पानी की बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। प्रभु श्री राम की बारात शोभायात्रा पूर्व चेयरमैन के आवास पर होते हुए सब्जी मंडी किराना गली होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पहुंची श्री राम बारात शोभायात्रा के दौरान नगर के नर नारियों ने दरवाजे, छतों से फूल बरसायें। रामलीला कमेटी अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा ,चेयरमैन अनिल कुमार रमेश चंद्र केसरवानी रवि वैश्य सौरभ केसरवानी नीरज केसरवानी चांदा उर्फ अनिल केसरवानी सत्येंद्र कुशवाहा, पंकज मौर्य गुड्डू कुशवाहा, विमल मौर्य, मज्जन अली,शेर सिंह यादव राजू केसरवानी विपिन मोदनवाल नानू रॉय राज कुमार मौर्य सोनू अग्रहरी प्रेम गुप्ता,शिव शक्ति स्वर्णकार प्रेम जायसवाल भैयालाल मौर्य अमरेंद्र स्वर्णकार उदय केसरवानी शिवम सहित सैकड़ों बाराती शामिल रहे।शोभायात्रा के दौरान अझुवा पुलिस चौकी इंचार्ज विजेंद्र सिंह मय हमराहियों के साथ साथ मौजूद रहे।

सीता स्वयंबर,धनुष यज्ञ ,परशुराम -लक्ष्मण संवाद का किया गया मंचन

लक्ष्मण क्रोध से कहते हैं - इंहा कुम्हण बतिया कोउ नाही, जे तर्जनी देख मर जाहीं

अझुवा कौशाम्बी। लक्ष्मण परसुराम में जमकर संवाद होता है जिसका प्रदर्शन रामलीला स्थल पर कलाकार सुबह तक करते है।जिसे देखने के लिए रामलीला भक्त लीला की सुबह तक एकाग्र चित्त होकर देखते हैं ।लीला के अंत मे प्रभु श्री राम को विष्णु का अवतार जानकर परशुराम हिमालय पर्वत तपस्या को चले जाते हैं।

रामलीला मंचन में उमड़ी भीड़

अपनी पुत्री सीता का स्वंयम्बर रचाते हैं राजा जनक अपने गुरु से तमाम राजाओं सहित ऋषि विश्वामित्र को अपने शिष्यों श्री राम और लक्ष्मण को स्वंयम्बर में आने का आग्रह करते हैं ।स्वयंबर में अनेक देशों के राजा महाराजा सहित लंकापति लंकेश रावण भी आता हैं और मिथिला नरेश की शर्त जो शिव धनुष में प्रत्यंचा चढ़ाएगा उसी से सीता विवाह हो गा इस शर्त को पूर्ण करने के लिए प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास तमाम राजा महाराजा करते हैं लेकिन मिथिला नरेश राजा जनक ने देखा कि प्रत्यंचा चढ़ाना तो दूर कोई राजा धनुष तक नही उठा पाते जिससे जनक राजा व्याकुल हो जाते हैं और कहते हैं कि इस धरती में ऐसा कोई वीर नही जो धनुष उठा सके ।इतने में ऋषि विश्वामित्र मित्र के साथ स्वंयम्बर मे गए लक्ष्मण को क्रोध आता है और वह श्री राम से धनुष में प्रत्यंचा चढ़ाने का अनुरोध करते है गुरु की आज्ञा से भगवान श्रीराम धनुष उठा कर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास करते है तो धनुष टूट जाता है जिसकी सूचना भगवान परसुराम को मिलती है भगवान परसुराम स्वंयम्बर में पहुंचकर धनुष तोड़ने वाले का वध करने को कहते हैं।

सम्पादकीय

सीबीआई की साख कन्विक्शन रेट में सुधार के एजेंसी के दावे पर क्यों उठ रहे सवाल

एचसी के हलफनामे पर गौर करने से स्पष्ट होता है कि 2011 से अब तक की अवधि में सीबीआई द्वारा दर्ज मामलों में कन्विक्शन रेट 65 से 70 फीसदी के बीच है। ज्यादा सटीकता से कहा जाए तो 2011 से 2014 तक कन्विक्शन रेट 67 फीसदी से 69 फीसदी तक पहुंचाई जा सकीए उसके बाद 2015 में अचानक यह गिरकर 65ण्1 फीसदी पर आ गईए जो धीरे.धीरे बढ़ते हुए 2020 में 69ण्8 फीसदी तक आई। सीबीआई डायरेक्टर सुबोध कुमार जायसवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दायर किया हैए उससे न केवल इस जांच एजेंसी के कामकाज की मौजूदा स्थिति स्पष्ट होती है बल्कि उन अड़चनों का भी पता चलता है जिनका इसे सामना करना पड़ता है। एक मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस एस के कौल और जस्टिस एम एम सुंद्रेश की बेंच ने तीन सितंबर को कहा था कि सीबीआई चीफ एजेंसी के कामकाज का पूरा ब्योरा पेश करें ताकि यह अंदाजा मिल सके कि पिछले दस वर्षों के दौरान मामले दर्ज करने और उन्हें सुलझाने के मामले में एजेंसी कितनी कामयाब या नाकाम रही है। हलफनामे पर गौर करने से स्पष्ट होता है कि 2011 से अब तक की अवधि में सीबीआई द्वारा दर्ज मामलों में कन्विक्शन रेट 65 से 70 फीसदी के बीच है।

ज्यादा सटीकता से कहा जाए तो 2011 से 2014 तक कन्विक्शन रेट 67 फीसदी से 69 फीसदी तक पहुंचाई जा सकीए उसके बाद 2015 में अचानक यह गिरकर 65ण्1 फीसदी पर आ गईए जो धीरे.धीरे बढ़ते हुए 2020 में 69ण्8 फीसदी तक आई। साल 2015 में आई इस अचानक गिरावट की वजहें साफ नहीं हो पाईए लेकिन ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि सीबीआई चीफ इसे अगले साल ही 75 फीसदी तक ले जाने का इरादा रखते हैं। बहरहालए पहली नजर में कन्विक्शन दर के मौजूदा आंकड़े भी कम नहीं कहे जा सकते। खासकर तब जब एनसीआरबी ;नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरोद्ध के आंकड़ों के मुताबिकए आईपीसी के तहत दर्ज किए गए मामलों में कन्विक्शन रेट 2020 में 59ण्2 फीसदी ही है।वैसे जानकार सीबीआई चीफ के इस हलफनामे में दिए गए तथ्यों पर भी सवाल उठाते हैं। उनके मुताबिक यह स्पष्ट नहीं है कि हलफनामे में कन्विक्शन रेट तय करने का आधार ऊपरी अदालतों के अंतिम निणय्र को बनाया गया है या निचली अदालतों के शुरुआती फैसलों को। इसी तरह यह भी साफ नहीं है कि एक मामले के विभिनन्आरोपियों पर दिए गए फैसले को अलग.अलग देखा गया है या समग्रता मेंघ् जाहिर है कि सीबीआई के कामकाज की तस्वीर काफी हद तक इस तरह के डीटेल्स पर निर्भर करती है। हलफनामे में अदालतों से स्टे ऑर्डर जारी किए जाने और कई राज्यों द्वारा सीबीआई को मिली जांच करने की आम इजाजत वापस लिए जाने जैसी अड़चनों का भी जिक्र हैए जो कुछ हद तक जायज हैं। मगर जहां तक संपूर्णता में इस जांच एजेंसी की विश्वसनीयता का सवाल है तो यह मानना होगा कि कुछ मामलों में सही ढंग से काम करने और कुछ अन्य मामलों में ढिलाई बरतने से विश्वसनीयता नहीं हासिल हो सकती। जिस तरह से कई हाई प्रोफाइल मामलों में सरकार के इशारे पर यह एजेंसी अपना रुख तय करती हैए वह इसकी साख बनने की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है। इसलिए इसे स्वायत्त बनाना होगा।

भारत के टीकाकरण अभियान ने टीम इंडिया की ताकत दुनिया को दिखाई है

नरेंद्र मोदी

चिंता से आश्वासन तक की यात्रा पूरी हो चुकी है और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के फलस्वरूप हमारा देश और भी मजबूत होकर उभरा है। इसे वास्तव में एक भगीरथ प्रयास मानना चाहिए, जिसमें समाज के कई वर्ग शामिल हुए हैं। भारत ने टीकाकरण की शुरुआत के मात्र नौ महीनों बाद ही 21 अक्तूबर, 2021 को टीके की 100 करोड़ खुराक का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोविड-19 से मुकाबला करने में यह यात्रा अद्भुत रही है, विशेषकर जब हम याद करते हैं कि 2020 की शुरुआत में परिस्थितियां कैसी थीं। मानवता 100 साल बाद इस तरह की वैश्विक महामारी का सामना कर रही थी और किसी को भी इस वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। हमें यह स्मरण होता है कि उस समय स्थिति कितनी अप्रत्याशित थी, क्योंकि हम एक अज्ञात और अदृश्य दुश्मन का मुकाबला कर रहे थे, जो तेजी से अपना रूप भी बदल रहा था।

चिंता से आश्वासन तक की यात्रा पूरी हो चुकी है और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के फलस्वरूप हमारा देश और भी मजबूत होकर उभरा है। इसे वास्तव में एक भगीरथ प्रयास मानना चाहिए, जिसमें समाज के कई वर्ग शामिल हुए हैं। पैमाने का अंदाजा लगाने के लिए, मान लें कि प्रत्येक टीकाकरण में एक स्वास्थ्यकर्मी को केवल दो मिनट का समय लगता है। इस दर से, इस उपलब्धि को हासिल करने में लगभग 41 लाख मानव दिवस या लगभग 11 हजार मानव वर्ष लगे। गति और पैमाने को प्राप्त करने तथा इसे बनाए रखने के किसी भी प्रयास के लिए, सभी हितधारकों का विश्वास महत्वपूर्ण है। इस अभियान की सफलता के कारणों में से एक, वैक्सीन तथा बाद की प्रक्रिया के प्रति लोगों का भरोसा था, जो अविश्वास और भय पैदा करने के विभिनन् प्रयासों के बावजूद कायम रहा। हम लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो दैनिक जरूरतों के लिए भी विदेशी ब्रांडों पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जब कोविड-19 वैक्सीन जैसी महत्वपूर्ण बात सामने आई, तो देशवासियों ने सर्वसम्मति से मेड इन इंडिया वैक्सीन पर भरोसा किया। यह एक महत्वपूर्ण मौलिक बदलाव है। यह टीका अभियान इसका उदाहरण है कि यहां के नागरिक और सरकार जनभागीदारी की भावना से लैस होकर साझा लक्ष्य के लिए साथ आएं, तो यह देश बहुत कुछ हासिल कर सकता है। जब भारत ने टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया, तो 130 करोड़ भारतीयों की क्षमताओं पर संदेह करने वाले कई लोग थे। पर जनता कफ्र्यू और लॉकडाउन की तरह, लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर उन्हें भरोसेमंद साथी बनाया जाए, तो परिणाम कितने शानदार हो सकते हैं। हमारे युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कमिन्यों, सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं को इसका श्रेय जाता है कि टीका लेने के मामले में भारत को विकसित देशों की तुलना में कम हिचकिचाहट का सामना करना पड़ा है।

आज तक केवल कुछ चुनिंदा देशों ने ही अपने स्वयं के टीके विकसित किए हैं। 180 से भी अधिक देश टीकों के लिए जिन उत्पादकों पर निर्भर हैं, वे बेहद सीमित संख्या में हैं। यही नहीं, जहां एक ओर भारत ने 100 करोड़ खुराक का अविश्वसनीय या जादुई आंकड़ा सफलतापूर्वक पार कर लिया है, वहीं दूसरी ओर दर्जनों देश अब भी अपने यहां टीकों की आपूर्ति की बड़ी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं! इसका श्रेय भारतीय वैज्ञानिकों और उद्यमियों को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने इस चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत की बदौलत ही भारत टीकों के मामले में 'आत्मनिर्भर' बन गया है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में सिर्फ उत्पादन करना ही काफी नहीं है। इसके लिए अंतिम व्यक्ति तक को टीका लगाने और निर्बाध लॉजिस्टिक्स पर भी फोकस होना चाहिए। इसमें निहित चुनौतियों को समझने के लिए जरा इसकी कल्पना करें कि टीके की एक शीशी को आखिरकार कैसे मंजिल तक पहुंचाया जाता है। पुणे या हैदराबाद स्थित किसी दवा संयंत्र से निकली शीशी को किसी भी राज्य के हब में भेजा जाता है, जहां से इसे जिला हब तक पहुंचाया जाता है। फिर वहां से इसे टीकाकरण केंद्र पहुंचाया जाता है। इसमें विमानों की उड़ानों और ट्रेनों के जरिये हजारों यात्राएं सुनिश्चित करनी पड़ती हैं। टीकों को सुरक्षित रखने के लिए इस पूरी यात्रा के दौरान तापमान को एक खास रेंज में बनाए रखना होता है, जिसकी निगरानी केंद्रीय रूप से की जाती है। इसके लिए एक लाख से भी अधिक शीत-श्रृंखला (कोल्ड-चेन) उपकरणों का उपयोग किया गया। राज्यों को टीकों के वितरण कार्यक्रम की अग्रिम सूचना दी गई थी, ताकि वे अपने अभियान की बेहतर योजना बना सकें और टीके पूर्व-निर्धारित तिथि को ही उन तक सफलतापूर्वक पहुंच सकें। अतः स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह निश्चित रूप से एक अभूतपूर्व प्रयास रहा है। इन सभी प्रयासों को कोविन के एक मजबूत तकनीकी मंच से जबर्दस्त मदद मिली। इसने यह सुनिश्चित किया कि टीकाकरण अभियान न्यायसंगत, मापनीय, ट्रैक करने योग्य और पारदर्शी बना रहे। इसने यह भी सुनिश्चित किया कि एक गरीब मजदूर अपने गांव में पहली खुराक ले सकता है और उसी टीके की दूसरी खुराक तय समय अंतराल पर उस शहर में ले सकता है, जहां वह काम करता है। 2015 में स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में मैंने कहा था कि हमारा देश टीम इंडिया की वजह से आगे बढ़ रहा है और यह 130 करोड़ लोगों की एक बड़ी टीम है। जनभागीदारी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। यदि हम 130 करोड़ भारतीयों की भागीदारी से देश चलाएंगे, तो देश हर पल 130 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा। हमारे टीकाकरण अभियान ने फिर इस टीम इंडिया की ताकत दिखाई है।

टीकाकरण अभियान में भारत की सफलता ने दुनिया को दिखाया है कि लोकतंत्र हर उपलब्धि हासिल कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मिली सफलता हमारे युवाओं, शोधकर्ताओं और सरकार के सभी स्तरों को सार्वजनिक सेवा वितरण के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी, जो न केवल हमारे देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक मॉडल होगा।

नशाः समाज का कैंसर रोकथाम कैसे हो

राजीव चौधरी

नशा एक शौक एक आकर्षण जो युवा पीढ़ी को धीरे धीरे तबाह ओ बर्बाद करने का माध्यम बनता जा रहा है। यही नशा उनके शरीर और जिंदगी यहां तक की घर परिवार और समाज को एक अंधे कुएं के दहाने तक पहुंचाने में खतरनाक रोल अदा कर रहा है। यही विनाशक विस्फोट घर परिवार समाज के अलावा कानून और व्यवस्था के लिए भी एक बहुत बड़ी और विकट चुनौती के रूप में पैर पसार रहा है। देखा जाए तो बीड़ी सिगरेट तंबाकू और गुटका भी एक प्रकार से नशे की श्रेणी में आते हैं जिनकी लत लगने के बाद छोड़ना बहुत मुश्किल है। तंबाकू युक्त इन सभी हानिकारक चीजों को निमन्स्तर के नशे की निगाहों से देखा जाता है जो समाज में अघोषित तौर पर जायज़ और रायज हैं वैसे भी कानूनी तौर पर सिगरेट और अन्य प्रोडक्ट से भारी टैक्स सरकार के ख़ज़ाने तक पहुंचते हैं।लेकिन जब यही नशा चरसए गांजाए गर्दए एमण्डीण् और अन्य प्रकार के मादक पदार्थों का रूप ले लेता है तो घर परिवार और समाज यहां तक कि कानून और व्यवस्था के लिए एक ना सुनाई देने वाला बिगुल बजने लगता है। आगे चलकर यही नशाखोर घर परिवार और समाज के लिए नासूर बनने लगते हैं। जिन परिवार में बच्चों पर नज़र रखी जाती है और अभिभावकों का दबाव होता है ऐसे घरों के युवक बाहरी दुनिया में नशाखोरी का शौक पूरा करते हैं और माता.पिता के सामने नंदी बैल होने का ढोंग रचाते हैं। इसके विपरीत जिन घरों में जरूरत से ज्यादा ढील या भरोसा किया जाता है या अभिभावकों का कोई दबाव नहीं होता उन घरों के बिगडैल मानसिकता रखने वाले बच्चे बहुत जल्द नशाखोरी के दलदल में फंस जाते हैं। संपनन् परिवारों में पॉकेट मनी के जरिए शौक़ पूरे किए जाते हैं जबकि मध्यम वर्ग और निमन्वर्ग के नशाखोर युवकों द्वारा घर परिवार में दादागिरीए चीख पुकारए मारपीटए चोरी चमारी यहां तक कि घर की चीजों को जबरन ले जाकर बेचने का सिलसिला शुरु हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में जब ऐसे नशाखोरों पर गतिरोध नहीं लगता तो फिर उसके दुष्परिणाम समाज पर पड़ने लगते हैं और कानून और व्यवस्था भी इससे बुरी तरह प्रभावित होता है। अगर बात मुंबई के झोपड़पट्टी इलाकों की करें तो मालूम होगा आबादी के ज्यादातर युवक नशे की चपेट में तेज़ी से जा रहे हैं यहां तक कि कम उम्र के बच्चे भी नशे की बुरी लत के आदि होते जा रहे हैं। समाज में युवकों की एक बड़ी तादाद नशे के दलदल में धंसती जा रही है और समाज अपनी आंखें बंद किए यही सोच रहा है कि यह मेरे घर का मामला नहीं है इसलिए मुझे कुछ करने की जरुरत क्या हैघ् समाज की इसी संक्रिन सोच और तुच्छ मानसिकता ने नशाखोरी को पनपने का मौका दिया जो निरन्तर जारी है। इतना ही नहीं इसी सोच और मानसिकता ने नशे का कारोबार करने वाले मौत के सौदागरों को भी पूरी आजादी के साथ फलने फूलने और परवान चढ़ने का मौका फ़राहम किया।देखा जाए तो लगभग हर इलाके में दर्जनों सामाजिक संस्थाएं मौजूद है लेकिन नशाए नशाखोरी और नशामुक्ति जैसे मुद्दे उनकी सोच और पहुंच से बाहर नजर आते है। साफ सुथरे समाज की कल्पना और उसकी उद्देश्य पूर्ति के लिए उचित कदम उठाने एंव नशाखोरी को बढ़ने और रोकथाम में पर्याप्त योग्यदान देने से कोसों दूर है।

स्वच्छ भारत अभियान जीवन रक्षा के साथ ही जीवन स्तर को ऊपर उठाने में भी सफल

प्रो. संजय द्विवेदी

हमारी सामाजिक चेतना, समाज के रूप में हमारे आचार-व्यवहार में स्थाई परिवर्तन आया है। बार-बार हाथ धोना हो, हर कहीं थूकने से बचना हो, कचरे को सही जगह फेंकना हो, ये तमाम बातें सहज रूप से, बड़ी तेजी से सामान्य भारतीय तक हम पहुंचा पाए हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' को जन आंदोलन बनाने में भारत के प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समाज और राष्ट्र के निर्माण में स्वच्छता की बुनियादी भूमिका के बारे में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विजन से एक सुनियोजित अभियान का रूप दिया है। गांधी जी कहते थे कि, ङ्क स्वच्छता और स्वराज के बीच के रिश्ते को लेकर गांधी जी इसलिए आश्वस्त थे, क्योंकि उन्हें विश्वास था कि गंदगी अगर सबसे ज्यादा नुकसान किसी का करती है, तो वो गरीब है। गंदगी, गरीब से उसकी ताकत छीन लेती है। शारीरिक ताकत भी और मानसिक ताकत भी। गांधी जी जानते थे कि भारत को जब तक गंदगी में रखा जाएगा, तब तक भारतीय जनमानस में आत्मविश्वास पैदा नहीं हो पाएगा। जब तक जनता में आत्मविश्वास पैदा नहीं होता, तब तक वो आजादी के लिए खड़ी नहीं हो सकती। इसलिए दक्षिण अफ्रीका से लेकर चंपारण और साबरमती आश्रम तक, उन्होंने स्वच्छता को ही अपने आंदोलन का बड़ा माध्यम बनाया।

स्वच्छ भारत अभियान की यात्रा हर देशवासी को गर्व से भर देने वाली है। देश ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से जो हासिल किया है, वो हमें आश्वस्त करता है कि हर भारतवासी अपने कर्तव्यों के लिए कितना संवेदनशील है। जन आंदोलन की ये भावना स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का आधार है। 2014 में देशवासियों ने भारत को खुले में शौच से मुक्त करने का संकल्प लिया था। 10 करोड़ से ज्यादा शौचालयों के निर्माण के साथ देशवासियों ने ये संकल्प पूरा किया है। करोड़ों माताएं, बहनें अब एक असहनीय पीड़ा से, अंधेरे के इंतजार से मुक्त हुई हैं। उन लाखों मासूमों का जीवन अब बच रहा है, जो भीषण बीमारियों की चपेट में आकर हमें छोड़ जाते थे। स्वच्छता की वजह से गरीब के इलाज पर होने वाला खर्च अब कम हुआ है। इस अभियान ने ग्रामीण इलाकों, आदिवासी अंचलों में लोगों को रोजगार के नए अवसर दिए हैं। पहले शहरों में कचरा सड़कों पर होता था, गलियों में होता था, लेकिन अब घरों से न केवल वेस्ट कलेक्शन पर बल दिया जा रहा है, बल्कि वेस्ट सेग्रीगेशन पर भी जोर है। बहुत से घरों में अब लोग गीले और सूखे कूड़े के लिए अलग अलग डस्टबिन रख रहे हैं। घर ही नहीं, घर के बाहर भी अगर कहीं गंदगी दिखती है, तो लोग स्वच्छता ऐप से उसे रिपोर्ट करते हैं और दूसरे लोगों को जागरूक भी करते है। स्वच्छ भारत अभियान से हमारी सामाजिक चेतना, समाज के रूप में हमारे आचार-व्यवहार में भी स्थाई परिवर्तन आया है। बार-बार हाथ धोना हो, हर कहीं थूकने से बचना हो, कचरे को सही जगह फेंकना हो, ये तमाम बातें सहज रूप से, बड़ी तेजी से सामान्य भारतीय तक हम पहुंचा पाए हैं। हर तरफ गंदगी देखकर भी सहजता से रहना, इस भावना से अब देश बाहर आ रहा है। अब घर पर या सड़क पर गंदगी फैलाने वालों को एक बार टोका जरूर जाता है। देश के बच्चे-बच्चे में पर्सनल और सोशल हाइजीन को लेकर जो चेतना पैदा हुई है, उसका बहुत बड़ा लाभ कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में भी हमें मिल रहा है। आज भारत हर दिन करीब एक लाख टन वेस्ट प्रोसेस कर रहा है। 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ये अभियान शुरू किया गया था, तब देश में हर दिन पैदा होने वाले वेस्ट का 20 प्रतिशत से भी कम प्रोसेस होता था। आज हम करीब-करीब 70 प्रतिशत डेली वेस्ट प्रोसेस कर रहे हैं। लेकिन अब हमें इसे 100 प्रतिशत तक लेकर जाना है। और ये काम केवल वेस्ट डिस्पोजल के जरिए नहीं होगा, बल्कि वेस्ट टू वेल्थ क्रिएशन के जरिए होगा। इसके लिए भारत ने हर शहर में 100 प्रतिशत वेस्ट सेग्रीगेशन के साथ-साथ इससे जुड़ी आधुनिक मैटेरियल रिकवरी फेसिलिटीज बनाने का लक्ष्य तय किया है। इन आधुनिक फेसिलिटीज में कूड़े-कचरे को छांटा जाएगा, रीसायकिल हो पाने वाली चीजों को प्रोसेस किया जाएगा। इसके साथ ही, शहरों में बने कूड़े के पहाड़ों को प्रोसेस करके पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। हमें यह याद रखना है कि स्वच्छता, एक दिन का, एक पखवाड़े का, एक साल का या कुछ लोगों का ही काम नहीं है। स्वच्छता हर किसी का, हर दिन, हर पखवाड़े, हर साल, पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला महाअभियान है। स्वच्छता जीवनशैली है, जीवन मंत्र है। जैसे सुबह उठते ही दांतों को साफ करने की आदत होती है, वैसे ही साफ-सफाई को हमें अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। स्वच्छ भारत अभियान जीवनरक्षक भी सिद्ध हो रहा है और जीवन स्तर को ऊपर उठाने का काम भी कर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि स्वच्छ भारत अभियान ने अपनी कार्यक्रम अवधि के दौरान ही 3 लाख लोगों का जीवन बचाया है। दीर्घकाल में इससे प्रति वर्ष डेढ़ लाख लोगों का जीवन बचेगा। यूनीसेफ के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2014 से 2019 के बीच में स्वच्छ भारत से भारत की अर्थव्यवस्था पर 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे 75 लाख से अधिक रोजगार के अवसर भारत में बने हैं, जिनमें से अधिकतर गांवों के लोगों को मिले हैं। इससे बच्चों की शिक्षा के स्तर पर, हमारी उत्पादन क्षमता पर, उद्यमशीलता पर सकारात्मक असर पड़ा है। देश में बेटियों और बहनों की सुरक्षा और सशक्तिकरण की स्थिति में अद्भुत बदलाव आया है। गांव, गरीब और महिलाओं के स्वावलंबन और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने वाला ऐसा ही मॉडल तो महात्मा गांधी चाहते थे। स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा और जीव सुरक्षा-ये तीनों महात्माा गांधी के प्रिय विषय थे। प्लास्टिक इन तीनों के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हमें वर्ष 2022 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य हासिल करना है। देशभर में करोड़ों लोगों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लिया है। यानी वो प्लास्टिक जिसका हम एक बार उपयोग करते हैं और फिर फेंक देते हैं, ऐसे प्ला?स्टिक से हमें देश को मुक्त? करना है। इससे पर्यावरण का भी भला होगा, हमारे शहरों की सड़कों और सीवेज को ब्लॉक करने वाली बड़ी समस्या का समाधान भी होगा और हमारे पशुधन की और समुद्री जीवन की भी रक्षा होगी।

स्वच्छता को प्रभावी और स्थाई बनाने के लिए जरूरी है कि यह सभी नागरिकों की आदत, स्वभाव और व्यवहार का हिस्सा बने। जीने का तरीका स्वच्छता पर आधारित हो, सोचने का तरीका स्वच्छता पर केंद्रित हो। बहुत से लोग व्यक्तिगत सफाई, अपने घर और परिसर की सफाई पर बहुत ध्यान देते हैं, लेकिन सार्वजनिक और सामुदायिक सफाई के प्रति उदासीन रहते हैं। इस मानसिकता में बदलाव जरूरी है। सर्वत्र स्वच्छता ही प्रभावी स्वच्छता होती है। स्वच्छता की जड़ों को मजबूत बनाने के लिए स्वच्छता की संस्कृति को नागरिकों के जीवन का अभिनन् अंग बनाना होगा। स्वच्छता को लेकर लोगों में गर्व की भावना होनी चाहिए। इसके लिए जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर और अधिक बल देना होगा। सभी विद्यालयों और उच्च-शिक्षण संस्थानों में स्वच्छता को पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण विषय बनाना चाहिए। सभी शिक्षण तथा सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा स्वच्छता की मुहिम को और मजबूत बनाने के लिए रोचक और प्रेरक समारोह आयोजित करने चाहिए। स्वच्छ भारत का वास्तविक अर्थ है साफ-सुथरा भारत। संकल्प और दृढ़-निश्चय की भावना से भारत इस क्षेत्र में अग्रसर हुआ है। स्वच्छ भारत, हमारी आंखों के सामने घटित हो रही क्रांतिकारी घटना है। सामूहिक एकजुटता के साधन के रूप में, एक जन आंदोलन के रूप में और एक राष्ट्रीय लक्ष्य जिसके लिए लगभग पूरी प्रतिबद्धता दिखाई दे रही है, स्वच्छ भारत हमारे स्वतंत्रता आंदोलन की भावना का प्रतिबिंब है। आज पूरी दुनिया स्वच्छ भारत अभियान के हमारे इस मॉडल से सीखना चाहती है, उसको अपनाना चाहती है। स्वच्छ भारत अभियान में हासिल हमारी सफलताएं, स्वच्छता के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां, हमारी पद्धतियां और हमारी व्यवस्थाएं आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक हैं। भारत अपनी नई योजनाओं और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्धता के माध्यम से दुनिया को कई चुनौतियों से लड़ने में मदद कर रहा है। महात्मा गांधी कहा करते थे कि हम उन भावी पीढ़ियों के लिए भी जिम्मेदार हैं, जिन्हें हम नहीं देख पाएंगे। आज हमारी पीढ़ी के सामने यह अवसर है कि हम अगली पीढ़ियों के लिए एक पूर्णतः स्वच्छ भारत का निर्माण करें। 'स्वच्छ भारत' की नींव पर ही 'स्वस्थ भारत' और 'समृद्ध भारत' का निर्माण होगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2022 : सपा-कांग्रेस के सामने भाजपा टिक नहीं पाएगी

पंकज कुमार श्रीवास्तव

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2007, 2012 और 2017 में कांग्रेस को मिले वोटों का अध्ययन, आकलन और विश्लेषण करें, तो 2007 में उसे 8.61 प्रतिशत वोट मिले और उसने 22 सीटें जीतीं, 2012 में उसे 11.63 प्रतिशत वोट मिले और उसने 28 सीटें जीती, 2017 में उसे महज 6.25 प्रतिशत वोट मिले और उसके सीटों की संख्या घटकर महज 7 रह गईं, वह भी तब जबकि अखिलेश के नेतृत्ववाली समाजवादी पार्टी से उसका गठबंधन था। 2-3 महीने पहले तक कोई नहीं मान रहा था कि कांग्रेस अपना राजनैतिक वजूद स्थापित कर पाएगी। अखिलेश यादव ने तो साफ-साफ कह दिया कि इस बार वह कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से रहे। गठबंधन नहीं रहने की दशा में कांग्रेस के सामने चुनौती पिछला प्रदर्शन दुहराने की थी।विभिनन् चैनलों पर प्रसारित होने वाले ओपिनियन पोल की बात की जाए,तो एबीपी-सी वोटर ने अपने ताजा सर्वे में कांग्रेस के लिए 3-7 सीटों का पूर्वानुमान लगाया। दैनिक देशबन्धु जून, 2021 से अपने यू-ट्यूब चैनल पर हर महीने के अंतिम शनिवार को 5 विधानसभाओं-उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तरप्रदेश-का ओपिनियन पोल प्रसारित कर रहा है। जून,2021 में कांग्रेस के लिए इसका पूर्वानुमान 11-19 सीट, जुलाई,2021 में 12-20 सीट, अगस्त, 2021 में 7-15 सीट का आकलन किया। सितम्बर, 2021 के अंतिम सप्ताह आते-आते इसके पूर्वानुमानों में बड़े फेरबदल के अनुमान दिखे। क्रॉस चेक के लिए प्रसारण रोक दिया गया। सितंबर, 2021 के अंतिम शनिवार के लिए पूर्व निर्धारित प्रसारण दो सप्ताह रोककर 16 अक्तूबर को प्रसारित हुए। इसमें कांग्रेस के सीटों के पूर्वानुमान में जबरदस्त उछाल आया। कांग्रेस के लिए 25-33 सीटों का पूर्वानुमान बताया जा रहा है। इस पूर्वानुमान में कांग्रेस ने मायावती के नेतृत्व वाली बसपा को पीछे छोड़ दिया है।विधानसभा चुनाव के पैटर्न लोकसभा चुनाव से सर्वथा अलग होते हैं। ऐन चुनाव के पहले के 24 घंटों में भी व्यापक उलटफेर की संभावना बनी रहती है। वैसे,तो 18 जनवरी,1977 को इंदिराजी ने आमचुनाव की घोषणा की थी और वोट 16-18-20 मार्च को डाले गए थे। समय इतना भी नहीं था इंदिराजी को शिकस्त देने के लिए चार पाटिन्यों के विलय से जो जनता पार्टी के गठन की बात सोची गई थी,उस पार्टी का विधिवत गठन हो पाए। प्रस्तावित जनता पार्टी के सभी उम्मीदवार तकनीकी तौर पर भारतीय लोकदल के चुनाव चिह्न और उसके उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे। लेकिन,महज 2 महीने के अंतराल में इन्दिराजी की तानाशाही प्रवृतियों के खिलाफ जो जन-ज्वार उभरा, उसने वोट क्रान्ति का एहसास कराया। जब महज दो महीने में राष्ट्रीय परिदृश्य बदल सकता है, तो उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव तो अभी तकरीबन 5 महीने दूर है।आज वोटिंग ट्रेंड्स बदले है। अब कोई मतदाता ऐसे उम्मीदवार को वोट कतई नहीं देना चाहता, जिसके जीतने की कोई संभावना न हो,या सरकार में शामिल होने की कोई संभावना न हो। इसीलिए, निर्दलीय या छोटी पाटिन्यों के उम्मीदवारों की चुनावी संभावना लगातार कम हुई है।बसपा ने 2007 में 30.43प्रतिशत के साथ 15872561 वोट प्राप्त किए और वह अकेले 206 सीट जीतकर सत्तासीन हुई। 2012 में बेशक इसने सत्ता गंवाई, लेकिन 25.91प्रतिशत वोट के साथ 19647303 वोट प्राप्त किए अर्थात इसके अपने वोटों में लगभग 24प्रतिशत इजाफा हुआ। 2017 में बसपा को बेशक महज 19 सीटें मिली,लेकिन तब भी इसे 19281352 वोट मिले अर्थात इसके वोटों में 2 प्रतिशत से भी कम की गिरावट दर्ज की गई।लेकिन नागरिकता संशोधन कानून और धारा 370 पर जिस प्रकार बसपा ने भाजपा का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग किया है,उससे मायावती की राजनीतिक साख धराशायी हुई है। दूसरी तरफ,मोदीराज में सीबीआई और आईबी के संभावित कार्यवाइन्यों से मायावती आतंकित और आशंकित रहीं। लालू प्रसादवाली जीवटता उनमें है नहीं। मायावती और बसपा सत्ता के रेस से बाहर है। 2007, 2012और 2017 के वोटिंग ट्रेंड्स को आधार मानें तो मायावती (बसपा) के वोटों का हिस्सा 22 प्रतिशत यानि कि लगभग 2.25 करोड़ वोट का बिखराव होगा। इसमें से कांग्रेस कितना पाएगी, यह भविष्य के गर्भ में है। 2017-22 के दौर में उत्तरप्रदेश विधानसभा में मान्यताप्राप्त विपक्ष समाजवादी पार्टी ही रही। लेकिन, कभी भी, कहीं भी वह प्रासंगिक और सार्थक विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पाई और आज भी अखिलेश यादव और सपा भाजपा के नकारात्मक वोटों के भरोसे सत्ताप्राप्ति की उम्मीद लगाए हुए हैं।2014 के बाद मोदीयुग में भी भाजपा को जब-जब सीधी टक्कर मिली है-भाजपा हारी है। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और प.बंगाल इसके उदाहरण हैं। इसीलिए,भाजपा अपना राजनैतिक हित इसी में देख रही है कि उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में उसे सीधी टक्कर न मिले। इसीलिए वह चुनाव को कम-से-कम त्रिकोणीय रखना चाहती है। भाजपा का आकलन है कि कांग्रेस की सीटें एक हद तक बढ़ जाएं, तो भी सत्ता हासिल करने तक वह नहीं पहुंच पाएगी। इसलिए, भाजपा अखिलेश यादव और सपा के तथाकथित विजय अभियान को हरसंभव तरीके से कुंद करने और एक हद तक कांग्रेस को अपना अभियान चलाने की छूट दे रही है।प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस को मिल रही बढ़त की एक खास वजह भाजपा का अन्दरूनी द्वन्द्व भी है। कोरोना वैक्सीन के लिए भले योगीजी मोदीजी का आभार व्यक्त कर रहे हों और मोदीजी हर दौरे में योगीजी को भांति- भांति का प्रमाणपत्र दे रहे हों, लेकिन यह एक खुला सच है कि 2017 में उप्रके मुख्यमंत्री के तौर पर मोदीजी की पसन्द योगी नहीं थे। योगी को मुख्यमंत्री बनवाया आरएसएस ने। पहले ही दिनसे गैर-हिंदी प्रदेशों में भी योगी आदित्यनाथ को हिंदू हृदयसम्राट के रूपमें कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, गोया वह भावी प्रधानमंत्री हों।

टी-20 वर्ल्ड कपः नहीं देखा होगा कभी ऐसा, एक ही गेंद पर 3 बार रनआउट होने से बचा बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अक्सर ऐसी चीजें होती रहती है, जिनपर यकीन करना आसान नहीं होता है। यूएई और ओमान में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप के एक मैच में ऐसा ही वाकया देखने को मिला, जहां बल्लेबाज एक नहीं, दो नहीं, बल्कि तीन-तीन बार रनआउट होने से बच गया। यह आयरलैंड की पारी के आखिरी ओवर का वाकया है, जहां नामीबिया की ओर से डेविड वीजे गेंदबाजी कर रहे थे। इस ओवर की लास्ट बॉल पर आयरलैंड के बल्लेबाज सिमी सिंह ने शॉट खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े। यहां बॉलर वीजे ने फील्डिंग की और स्टम्प की तरफ गेंद फेंक दी। यहां विकेटकीपर गेंद को पकड़ नहीं सका था। इसके बाद गेंद बाउंड्री की तरफ जा रही थी। यहां दूसरे फील्डर ने गेंद पकड़ी और दोबारा कीपर की तरफ फेंकी। यहां एक बार फिर कीपर बल्लेबाज को आउट करने में नाकामयाब रहा, जिससे बल्लेबाज को दूसरा जीवनदान मिल गया।

बर्दाश्त नहीं तिरंगे और देश का अपमान

हरभजन सिंह ने शोएब अख्तर को जमकर सुनाया, रावलपिंडी एक्सप्रेस की बोलती बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को इस कदर सुनाया कि रावलपिंडी एक्सप्रेस की बोलती बंद हो गई। शोएब अख्तर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पाकिस्तानी खिलाड.ियों को खेलने और पैसा कमाने का मौका नहीं दिए जाने की शिकायत की तो हरभजन सिंह का गुस्सा फूट पड़ा। हरभजन सिंह ने कहा कि हम अपने झंडे और देश की तौहीन बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। हरभजन ने कश्मीर पर बयानबाजी करने वाले शाहिद अफरीदी पर निशाना साधा और क्रिकेट तक सीमित रहने की नसीहत दी। टीवी न्यूज चैनल

आज तक के एक कार्यक्रम में दोनों दिग्गज क्रिकेटर 24 अक्टूबर को टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने जा रहे मैच को लेकर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान शोएब अख्तर ने आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड.ियों को पैसा कमाने का मौका नहीं मिलने का जिक्र छेड़ दिया। अख्तर ने कहा, जब आईपीएल शुरू हुआ, पैसा बनाने की बारी आई, आपको दिक्कत क्या है पाकिस्तानी क्यों ना पैसा कमाए, पूरी दुनिया कमा रही है। मैंने ब्रेट ली से कहा था हमारे नसीब में इतना ही था, तुम कमा लो।अब तक तो बात हंसी मजाक में चल रही थी, लेकिन शोएब की शिकायत सुनने के बाद हरभजन गंभीर हो गए और उन्होंने कहा, हमें कोई दिक्कत नहीं है। दिक्कत तब होती है जब किसी भी मुद्दे पर कोई भी क्रिकेटर उठकर हिन्दुस्तान की बदनामी करता है। हमारे झंडे की बदनामी करता है। तो हम सबको दिक्कत है। हम लोगों के बीच जो प्यार है उस पर हमारे लोगों को गुस्सा तब आता है जब कोई बेतुका आदमी उठकर हिन्दुस्तान पर ऐसे दाग लगाता है, कहता है कि कश्मीर हमारा है, या वो हमारा है, भाई ओ जिनका मुद्दा है उनको संभालने दो। हमें उसमें नहीं जाना। हमारा कद उतना बड़ा नहीं है, कि हम उन मुद्दों में घुसें। हम क्रिकेटर हैं, हम क्रिकेटर बनकर रहें। हरभजन के तेवर देख शोएब अख्तर सकपका गए और अनजान बनने की कोशिश करने लगे। पूछने लगे कि किसकी बात हो रही है। एंकर की ओर से शाहिद अफरीदी का नाम लिए जाने पर तेज गेंदबाज ने दलील दी कि वह अफरीदी की ओर से जवाब नहीं दे सकते हैं, लेकिन उनके दिल में किसी के लिए नफरत नहीं है। अख्तर ने कहा, मुझे हिंदुओं से नफरत नहीं है, मुझे किसी जाति या धर्म से मतलब नहीं है। नफरत की वजह पूछे जाने पर अख्तर ने कहा कि वह इतिहास में नहीं जाना चाहते। उन्होंने कहा कि वह टु नेशन थ्योरी में विश्वास करते हैं।

खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं आईपीएल टीमें, अनकैप्ड प्लेयर्स पर भी आया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2022 की नीलामी में खिलाड.ियों को रिटेन करने के मुद्दे पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम प्रतिनिधियों के बीच आम सहमति बनने की जानकारी सामने आई है। संभावना है कि मौजूदा आठ फ्रेंचाइजियों को अधिकतम चार खिलाड.ियों को रिटेन (बनाए रखने) की परमिशन दी जाएगी। दरअसल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2021 के यूएई फेज के दौरान बीसीसीआई और टीमों के प्रतिनिधियों के बीच अनौपचारिक चर्चा हुई थी और समझा जाता है कि सभी टीमों ने अधिकतम चार खिलाड.ियों को रिटेन करने की परमिशन दिए जाने पर सहमति जताई है। टी-20 वर्ल्ड कप में इंडिया-पाक मैच से पहले पूर्व पाक स्पिनर मुश्ताक अहमद ने बताई रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमजोरी उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी यह जानकारी सामने आई थी कि एक टीम को अधिकतम तीन भारतीय और दो विदेशी खिलाड.ियों को टीम में बनाए रखने की परमिशन दी जाएगी। रिटेन खिलाड.ियों की कुल संख्या चार से अधिक नहीं होगी। वहीं यह भी सामने आया है कि अनकैप्ड खिलाड.ियों को रिटेन करने की भी लिमिट हो सकती है और यहां एक टीम को दो से अधिक खिलाड.ियों को रिटेन करने की परमिशन नहीं होगी। ऐसा माना जा रहा है कि आईपीएल के मेगा ऑक्शन में एक टीम का पर्स 90 से 100 करोड़ के बीच भी जा सकता है। इस बार की चैम्पियन चेनन्ई सुपर किंग्स के मेगा ऑक्शन में कप्तान एमएस धोनी, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ के रिटेन करने की सबसे ज्यादा संभावना जताई जा रही है। वहीं टीम दो विदेशी खिलाड.ियों को रिटेन करने के मामले में फाफ डु प्लेसी और ड्वेन ब्रावो को अपने दल में बरकरार रख सकती है।

अजीत आगरकर ने चुनी पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्लेइंग एसबीआई, हार्दिक पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और आर अश्विन आउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया अपने सफर का आगाज 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के साथ करेगी। टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि हार्दिक पांड्या की बैटिंग फॉर्म कुछ खास नहीं है और वह फिलहाल गेंदबाजी कर नहीं रहे हैं। ऐसे में उनको प्लेइंर्ग ्घ् में सिर्फ एक बैटर के तौर पर शामिल करना कितना सही होगा, इसको लेकर तमाम क्रिकेट पंडित अपनी राय दे चुके हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया का प्लेइंर्ग ्घ् कैसा होना चाहिए, इसको लेकर अजीत आगरकर ने अपनी राय दी है। स्टार स्पोर्ट्स ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अजीत आगरकर इस मैच के लिए भारत का प्लेइंर्ग ्घ् बता रहे हैं। आगरकर ने इन 11 खिलाड.ियों की लिस्ट में

हार्दिक पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, आर अश्विन, इशान किशन को जगह नहीं दी है। वहीं पारी का आगाज रोहित शर्मा और केएल राहुल से कराया है। शार्दुल ठाकुर और रविंद्र जडेजा को ऑलराउंडर के तौर पर चुना है, जबकि तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी उनकी इस लिस्ट में मौजूद हैं।

स्पिनर के तौर पर आगरकर ने राहुल चाहर और वरुण चक्रवर्ती को अपने प्लेइंर्ग ्घ् में शामिल किया है। अजीत आगरकर ने चुना भारत का प्लेइंर्ग ्घ्- रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, राहुल चाहर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी।

विनिंग टीम इंडिया के धुरंधरों ने बताया कौन होगा इस वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे बड़ा एक्स फैक्टर- रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 में टीम इंडिया के लिए कौन सा खिलाड़ी एक्स फैक्टर साबित होगा, इसको लेकर 2007 टी20 वर्ल्ड कप विनिंग टीम इंडिया के सदस्यों ने अपनी राय दी है। गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, दिनेश कार्तिक, अजीत आगरकर, आरपी सिंह और इरफान पठान ने बताया है कि भारत के लिए इस वर्ल्ड कप में कौन-कौन से खिलाड़ी एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं और इनमें से किसी ने भी कप्तान विराट कोहली का नाम लिया। ज्यादातर खिलाड.ियों ने जसप्रीत बुमराह का नाम लिया है। गंभीर, आगरकर, आरपी सिंह, इरफान पठान इंटरनैशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं, जबकि हरभजन सिंह और दिनेश कार्तिक ने फिलहाल ऐसा नहीं किया है। स्टार स्पोर्ट्स के खास शो क्लास ऑफ 2007 पर 2007 वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा रहे गंभीर,

भज्जी, दिनेश कार्तिक, आरपी सिंह, आगरकर और पठान ने एक्स फैक्टर को लेकर अपनी राय रखी। गंभीर ने जसप्रीत बुमराह का नाम लिया, इसके बाद भज्जी ने कहा, अगर मुझे किसी एक को चुनना हुआ तो मैं रोहित शर्मा को चुनूंगा। मुझे लगता है कि वह सबसे अहम खिलाड़ी साबित होंगे।

दिनेश कार्तिक ने कहा, मैं हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती पर पैसे लगाऊंगा। मुझे लगता है टी20 वर्ल्ड कप में ये दोनों अंतर पैदा कर सकते हैं। आगरकर ने कहा, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह, मुझे लगता है रोहित पारी का आगाज करते हुए सबसे अहम खिलाड़ी होंगे, और बुमराह वही करेंगे जो करते आए हैं। आरपी सिंह ने भी बुमराह का नाम लिया। वहीं इरफान पठान ने कहा, मुझे लगता है जसप्रीत बुमराह और जो उनके साथ गेंदबाजी करेगा। मुझे लगता है, जो दो गेंदबाज आखिरी के ओवरों में गेंदबाजी करेंगे, वे सबसे अहम साबित होंगे।

इरफान पठान और दिनेश कार्तिक ने बताया क्यों भारत टी20 वर्ल्ड कप जीतने का है सबसे प्रबल दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 का दूसरा राउंड युनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में खेला गया और अब यूएई और ओमान में ही टी20 वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। आईपीएल के चलते कई दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि टीम इंडिया इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने की प्रबल दावेदार है। विराट कोहली एंड कंपनी में जितने भी खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप में खेलने उतरेंगे, सही हाल में खत्म हुए आईपीएल का हिस्सा थे। 2007 में टी20 वर्ल्ड कप का पहला एडिशन खेला गया था और तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने खिताब अपने नाम किया था। इस बार धोनी टीम इंडिया के मेंटॉर की भूमिका में होंगे। 2007 वर्ल्ड कप टीम इंडिया स्क्वॉड का हिस्सा रहे इरफान पठान और दिनेश कार्तिक ने कहा कि भारत के पास इस बार वर्ल्ड कप जीतने का बड़ा मौका होगा।

इरफान पठान ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्लास ऑफ 2007 में कहा, मुझे लगता है किसी को भी 2007 की टीम से कुछ भी अपेक्षा नहीं लगाई थी, लेकिन अभी की टीम से बहुत सारी अपेक्षाएं हैं। नई टीम के पास अपेक्षाएं भी हैं और अनुभव भी है। 2007 में जब हम टी20 वर्ल्ड कप खेलने गए थे, तो इस फॉर्मेट में हमें खेलने का बहुत कम अनुभव था, लेकिन अब चीजें काफी बदल गई हैं, लोग आईपीएल में खेलते हैं, वे काफी टी20 मैच खेलते हैं। 2007 में सोशल मीडिया नहीं था, लेकिन अब सोशल मीडिया है, तो खिलाड.ियों के प्रदर्शन को लेकर काफी चर्चा होती है शसे बनते हैं। मुझे लगता है टीम के खिलाड.ियों को पता है कि उनसे काफी अपेक्षाएं हैं और उन्हें यह भी पता है कि इसको हैंडल कैसे करना है।

श्रीलंका ने नीदरलैंड को 44 रन पर समेटा, आठवें ओवर में हासिल की जीत

शारजाह (एजेंसी)। सुपर 12 के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी श्रीलंकाई टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप के पहले राउंड के अपने आखिरी मैच में स्पिनर वानिंदु हसरंगा और महीष तीक्षणा के शानदार प्रदर्शन के दम पर शुक्रवार को नीदरलैंड को आठ विकेट से हरा दिया। औपचारिकता का यह मैच दो घंटे के भीतर ही खत्म हो गया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका ने नीदरलैंड को दस ओवर के भीतर 44 रन पर समेट दिया, जो टी-20 क्रिकेट के इतिहास का छठा न्यूनतम स्कोर है। इसके बाद

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 7.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा 24 गेंद में 33 रन बनाकर नॉटआउट रहे। यह श्रीलंका की तीन मैचों में तीसरी जीत थी और वह छह प्वॉइंट्स लेकर ग्रुप ए में टॉप पर रही। अब उसका सामना रविवार को सुपर 12 के पहले मुकाबले में बांग्लादेश से होगा। इस मैच का आकर्षण स्पिनर हसरंगा और तीक्षणा रहे। हसरंगा ने नौ रन देकर तीन और तीक्षणा ने तीन रन देकर दो विकेट लिए। दोनों की फिरकी के जाल में नीदरलैंड के बल्लेबाज एक एक करते फंसते चले गए। टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का यह दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडाउड (दो) का विकेट सस्ते में गंवा दिया। वे पहले ही ओवर में श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका के सीधे थ्रो पर रनआउट हो गए। इसके बाद तीक्षणा ने कैरम बॉल से बेन कूपर (नौ) को पवेलियन भेजा। इसी ओवर में उन्होंने इसी गेंद से स्टीफन माइबर्ग (पांच) को आउट किया। इस समय नीदरलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था। लेग स्पिनर हसरंगा ने पांचवें ओवर में दो विकेट लिए। पहले उन्होंने कोलिन एकेरमैन (11) को आउट किया। इसके बाद बास डे लीडे (0) को इसी तरह से एलबीडब्लूयू आउट करके पवेलियन भेजा। नीदरलैंड की आधी टीम 32 रन के भीतर पवेलियन लौट चुकी थी। रोल्फ वान डेर मर्वे खाता भी नहीं खोल सके, जबकि कप्तान पीटर सीलार ने दो ही रन बनाए। हसरंगा ने उन्हें एलबीडब्लूयू आउट किया। दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने लॉअर ऑर्डर को चलता करके सात रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने दसवें ओवर में तीनों विकेट चटकाए। श्रीलंका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (0) का विकेट गंवा दिया, लेकिन परेरा ने इसके बाद जीत की औपचारिकता पूरी की। दिनेश चांदीमल की जगह उतरे चरित असलांका मौके का फायदा नहीं उठा सके और छह रन बनाकर आउट हो गए।

वसीम अकरम हुए सूर्यकुमार यादव के फैन, कहा- टीम इंडिया के लिए गेमचेंजर साबित होगा भारतीय बल्लेबाजक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2021 के वॉर्मअप मैचों में टीम इंडिया ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को पटखनी देकर बता दिया है कि वह इस टूर्नामेंट में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दोनों ही प्रैक्टिस मैच में टीम के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों ने जमकर रन बरसाए, वहीं मौका मिलने पर सूर्यकुमार यादव ने भी कंगारू गेंदबाजों के खिलाफ जमकर हाथ खोले। क्रिकेट पंडितों की मानें तो टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का सफर रोहित, कोहली और राहुल की बैटिंग पर काफी हद तक निर्भर करेगा। खासतौर पर राहुल से काफी उम्मीदें लगा जा रही हैं। लेकिन, पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम की राय अलग है। उनके मुताबिक सूर्यकुमार यादव टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। स्पोर्ट्स तक के शो सलाम क्रिकेट पर बातचीत करते हुए पाकिस्तान के पूर्व फास्ट बॉलर ने कहा, भारत ने सूर्यकुमार यादव के रूप में एक शानदार प्लेयर खोज लिया है। मुझे लगता है कि वह समय आने पर उन छह ओवरों के बाद गेम को चेंज करेंगे। मैंने उनके शॉट्स देखे हैं। वह केकेआर की तरफ से खेलते हुए मेरे साथ भी थे और अब उनके खेल में काफी सुधार आया है। वह अपने शॉट्स खेलते हैं, सेफ शॉट्स लगाते हैं और रुकते नहीं हैं। तो उनको उसी तरह से खेलने की जरूरत है जैसे वह अपने करियर में खेलते हुए आ रहे हैं। सूर्यकुमार ने आईपीएल के आखिरी मैच में 82 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपनी फॉर्म हासिल की थी और वॉर्मअप मैच में अच्छी लय में दिखाई दिए थे। भारतीय क्रिकेट टीम पर बात करते हुए अकरम ने कहा, मैंने इंडियन टीम को काफी उत्सकुता से फॉलो नहीं किया है। जाहिर तौर पर बड़े गेम देखे हैं। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती और फिर इंग्लैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन कमाल का रहा। इंडियन क्रिकेट ऊपर की ओर जा रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं है। यह सबकुछ फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इंवेस्टमेंट की वजह से है और इसी वजह से एक से बढ़कर एक युवा खिलाड़ी निकलकर सामने आ रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए एमएस धोनी को मेंटॉर बनाने पर सुनील गावस्कर ने दिया बड़ा बयान, टीम को भी दी नसीहत

दुबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने महेंद्र सिंह धोनी को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम के मेंटॉर (मार्गदर्शक) के रूप में नियुक्त करने पर कहा कि यह पूर्व कप्तान एक हद तक मदद कर सकता है, क्योंकि मैदान में प्रदर्शन करने का जिम्मा खिलाड.ियों के पास ही होता है। भारत रविवार को सुपर 12 स्टेज में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा और गावस्कर को लगता है कि इस फॉर्मेट में विराट कोहली की टीम जीत की प्रबल दावेदार है। गावस्कर ने आज तक चैनल पर कहा, मेंटॉर ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। इस फॉर्मेट में तेजी से बदलाव होता है और हां, वह आपको ड्रेसिंग रूम में तैयारी करने में मदद कर सकता है। वह अगर जरूरत हुई तो रणनीति को बदलने में आपकी मदद कर सकता है।उन्होंने कहा, वह टाइम-आउट के दौरान बल्लेबाजों और गेंदबाजों से बात कर सकता है, इसलिए धोनी को नियुक्त करने का कदम अच्छा है, लेकिन धोनी ड्रेसिंग रूम में होंगे और मैदान में

वास्तविक काम खिलाड.ियों को करना होगा। मैच का परिणाम इस बात पर निर्धारित होगा कि खिलाड़ी दबाव को कैसे संभालते हैं। गावस्कर का मानना है कि टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी छोड़ने का फैसला करने से कोहली पर अब दबाव कम होगा। उन्होंने कहा, जब आप एक कप्तान बनते हैं, तो आप केवल अपने बारे में नहीं सोच सकते हैं, उसे एक ऐसे बल्लेबाज से बात करनी होती है, जो खराब दौर से गुजर रहा है या एक गेंदबाज के साथ रणनीतियों पर चर्चा करता है।

उन्होंने कहा, इस सब के बीच, कोई भी अपनी लय पर जरूरत के मुताबिक ध्यान नहीं दे पाता है। जब आप पर दबाव नहीं होता है, तो आप अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मुझे लगता है कि विराट के लिए यह अच्छा होगा कि टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्हें जिम्मेदारियों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसे में कोहली अब अपने खेल पर ध्यान दे सकते हैं और काफी रन बना सकते है। वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे सम्मानित आवाजों में से एक गावस्कर ने यह भी बताया कि वैश्विक टूर्नामेंटों में नॉक-आउट मैच जीतने में भारत की विफलता का मुख्य कारण टीम सिलेक्शन रहा है। उन्होंने कहा, बड़े मैचों में भारत की समस्या टीम संयोजन रही है। अगर उन्हें नॉकआउट मैचों में प्लेइंग इलेवन का चयन मिल जाता, तो उन्हें कम समस्या होती। कई बार, आपके सोचने का तरीका अलग होता है।

टी-20 वर्ल्ड कप के आगाज मैच में कंगारुओं के सामने दक्षिण अफ्रीका की चुनौती, कुछ मामले में दोनों ही पिछड़ रहीं

अबु धाबी (एजेंसी)। ग्रुप वन की दो मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शनिवार से आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2021 की शुरुआत हो जाएगी। अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में दोपहर साढ़े तीन बजे शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में दोनों टीमें शानदार शुरुआत करना चाहेंगी, जो उन्हें पूरे टूर्नामेंट के दौरान लय प्रदान करेगी। दोनों टीमों की तैयारियों की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने बीते दिनों अफगानिस्तान और पाकिस्तान के खिलाफ खेले अपने दोनों प्रैक्टिस मैच जीते हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी, जबकि भारत के खिलाफ उसे हार का सामना किया था। दोनों टीमें के लिए सही संतुलन के साथ मैदान पर उतरना जरूरी होगा, क्योंकि दोनों ही टीमों को यूएई की पिचों पर खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के लिए फिलहाल सबसे बड़ी समस्या अनुभवी ओपनर डेविड वॉर्नर का आउट ऑफ फॉर्म होना है, जिनका इस साल आईपीएल सीजन भी अच्छी नहीं रहा है। वॉर्नर न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में जहां जीरो, वहीं भारत के खिलाफ एक रन पर आउट हो गए थे।

सुरक्षा चक्र में कमी पर दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में दाखिल किया जवाब, स्वामी चक्रपाणि ने दाऊद और छोटा शकील से बताया है खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को हाईकोर्ट को बताया कि अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रमुख स्वामी चक्रपाणि को संभावित खतरे की आशंका का नियमित आकलन किया जा रहा है। चक्रपाणि ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, छोटा शकील से अपनी जान को खतरा होने का दावा किया था। पुलिस ने जस्टिस रेखा पल्ली को बताया कि चूंकि मामले की हर छह महीने पर समीक्षा करने की जरूरत होती है, इसलिए चक्रपाणि के सुरक्षा कवर को अपग्रेड करने के अनुरोध पर 5 नवंबर को पुनर्विचार किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि अगर सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई, तो उसकी छह सप्ताह के बाद फिर से इसकी समीक्षा की जाएगी।अदालत चक्रपाणि की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने अधिकारियों को उनकी जेड श्रेणी की सुरक्षा बहाल करने का निर्देश देने अनुरोध किया है, जिसके तहत पहले उनकी सुरक्षा में 33 पुलिस कर्मी लगाए थे और अब इस सुरक्षा को घटाकर एक्स श्रेणी का कर दिया गया है, जिसके तहत महज तीन सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराए गए हैं। अदालत ने पुलिस की आकलन रिपोर्ट पर गौर किया

जिसमें कहा गया था कि मामला अभी विचाराधीन है।चक्रपाणि के वकील ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों में से एक काफी बूढ़ा है, जिस पर न्यायाधीश ने जवाब दिया कि उनका पीएसओ भी रिटायरमेंट के कगार पर है, लेकिन मुझे लगता है कि उसका अनुभव उसे और अधिक शिष्ट बनाता है। इस सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारे एक प्रधानमंत्री को भी सुरक्षा के बीच मारा गया था।

घाटी में आतंकियों के खात्मे के लिए बनाए गए बंकर, 1990 के बाद फिर पैदा हुए हालात

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में पिछले दो हफ्तों में आतंकवादियों द्वारा आम लोगों की हत्या किए जाने के करीब आठ साल बाद शहर की सड़कों पर सुरक्षा बंकरों की वापसी हो रही है और घाटी में अर्धसैनिक बलों के और अधिक जवान तैनात किए जा रहे हैं। 1990 के दशक में घाटी में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान भी ऐसी कोई चीज मौजूद नहीं थी। श्रीनगर में हवाई अड्डा मार्ग पर बरजुल्ला पुल पर ऐसे दो बंकर बनाए गए हैं।

भाषा के मुताबिक, केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) द्वारा श्रीनगर के कई इलाकों में सुरक्षा बंकर तैयार किए जा रहे हैं, जहां कश्मीर में सुरक्षा स्थिति में समग्र सुधार के बाद 2011 और 2014 के बीच इन्हें हटा दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि नए बंकरों का निर्माण और अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती घाटी में आतंकी घटनाओं पर लगाम कसने

के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की हालिया घटनाओं से पता चलता है कि आतंकवादी वारदात को अंजाम देने के कुछ समय में ही एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाते हैं, इसलिए केवल क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करके ही आतंकियों पर अंकुश लगाया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि आम लोगों की हत्याओं के मद्देनजर घाटी में विशेष रूप से श्रीनगर में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त अर्धसैनिक बलों की 50 कंपनियां तैनात की जा रही हैं।

वर्ष 2010 में कश्मीर का दौरा करने वाले एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा की गई सिफारिशों पर श्रीनगर में 50 से अधिक सुरक्षा चौकियां और बंकर हटा दिए गए थे। 2010 में केंद्र द्वारा नियुक्त वार्ताकारों की एक टीम ने भी इसी तरह की सिफारिशें की थीं। टीम का नेतृत्व वरिष्ठ पत्रकार दिलीप पडगांवकर ने किया था और प्रोफेसर राधा कुमार तथा पूर्व सूचना आयुक्त एम एम अंसारी इसके सदस्य थे। तब स्थिति में इस हद तक सुधार हुआ था कि तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने सिफारिश के बाद जम्मू-कश्मीर से चरणबद्ध तरीके से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (आफ्सपा) को निरस्त किया। हालांकि, इस बार उन जगहों पर नए बंकर बनाए गए हैं जहां 1990 के दशक में घाटी में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान भी ऐसी कोई चीज मौजूद नहीं थी। श्रीनगर में हवाई अड्डा मार्ग पर बरजुल्ला पुल पर ऐसे दो बंकर बनाए गए हैं। बहरहाल, पुलिस अधिकारियों ने घाटी में उठाए गए नए कदमों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भारतीय किसान यूनियन ने यूपी चुनाव से पहले किए बड़े बदलाव, बनाई नई टीम

नोएडा (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (ख्ळ) ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश नई कार्यकारिणी परिषद की घोषणा की। चुनाव राज्य में यूनियन ने तीन महीने पहले इसे भंग कर दिया था। कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे आंदोलन और यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले किसान संगठन ने नई टीम का ऐलान किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रभाव रखने वाले किसान संगठन ने 12 जुलाई को उत्तर प्रदेश में अपनी सभी इकाइयों को भंग कर दिया था। बीकेयू के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि बीकेयू के यूपी अध्यक्ष राजवीर सिंह के अलावा सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया था। राजवीर सिंह ने शुक्रवार को मेरठ, बरेली, लखनऊ, झांसी, चित्तौड़गढ़, कानपुर, बस्ती, देवीपाटन, वाराणसी और इलाहाबाद डिवीजन के अध्यक्षों के नामों का ऐलान किया।

अब ओडिशा में कांग्रेस को लगा करारा झटका, कार्यकारी अध्यक्ष ने ही छोड़ दी पार्टी, बीजेडी में जाने के संकेत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में आंतरिक कलह का सामना कर रही कांग्रेस को अब ओडिशा में करारा झटका लगा है। राज्य में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप माझी ने पार्टी छोड़ दी है। उनके बीजू जनता दल से जुड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

अगले साल की शुरुआत में राज्य में होने वाले पंचायत चुनावों से ठीक पहले पार्टी को यह झटका लगा है। प्रदीप माझी ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपने इस्तीफे की जानकारी देते हुए पत्र लिखा है। अपने पत्र में प्रदीप माझी ने लिखा, आपको बेहद सम्मान के साथ यह बताना चाहता हूं कि मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

यह जानकारी देते हुए मुझे बेहद दुख और दर्द है। ओडिशा के प्रमुख आदिवासी नेताओं में से एक और राज्य की ही नबरंगपुर लोकसभा सीट से सांसद रहे माझी ने कहा कि वह कांग्रेस में ही रहकर लोगों की सेवा करना चाहते थे, लेकिन पार्टी में उत्साह की कमी देखने को मिल रही है। एक तरफ प्रदीप माझी ने सोनिया गांधी के नेतृत्व की तारीफ की है तो वहीं इशारों में ही राज्य से लेकर स्थानीय स्तर तक के नेतृत्व को नाकाम करार दिया है। प्रदीप माझी ने लिखा, आपके बहुमुखी नेतृत्व में पार्टी के संगठन ने बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन बीते कुछ वक्त में विभिनन पदों पर बैठे लोगों के गलत फैसलों और सही ढंग से काम न करने के चलते पार्टी ने लगातार अपना भरोसा खोया है। इसे हासिल करने में शायद अब लंबा वक्त लगेगा।

इसके साथ ही प्रदीप माझी ने कहा, मैं लोगों की सेवा करना चाहता हूं, लेकिन कांग्रेस में इसकी कमी महसूस होती है। मैं बेहद दुख के साथ पार्टी छोड़ रहा हूं, जिसके लिए मेरी बात को समझा जाना चाहिए। इसके बाद भी मैं अपनी विचारधारा के अनुसार कर्तव्य का पालन करता रहूंगा और पूरी संतुष्टि के साथ लोगों की सेवा करता रहूंगा। इस बीच प्रदीप माझी के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह जल्दी ही बीजेडी में शामिल हो सकते हैं। इसी महीने राज्य के सीएम नवीन पटनायक नबरंगपुर का दौरा करने वाले हैं। माना जा रहा है कि इसी दौरान वह बीजेडी में शामिल हो सकते हैं। वह 2009 में इसी लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गए थे, लेकिन फिर 2014 और 2019 में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा था। नबरंगपुर के अलावा मलकानगिरी जिले में भी प्रदीप माझी का आदिवासी समुदाय के बीच अच्छा खासा प्रभाव माना जाता रहा है। ये दोनों ही जिले आदिवासी बहुल हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए प्रदीप माझी का पार्टी छोड़ना ओडिशा में उसके लिए झटका है। माझी ने अपने इस्तीफे की कॉपी राहुल गांधी, ओडिशा के कांग्रेस प्रभारी चेल्ला कुमार और प्रदेश अध्यक्ष निरंजन पटनायक को भी भेजी है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में देश को दी गलत जानकारी, मांगें माफी, कांग्रेस ने उठाया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन के बाद शुक्रवार को दावा किया कि मोदी ने गलत जानकारियां देकर भ्रम फैलाया है जिसके लिए उन्हें देश से क्षमा मांगनी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने सवाल किया कि जब देश की 50 फीसदी आबादी को कोविड का एक भी टीका नहीं लगा और सरकार की अक्षमता के कारण लाखों लोगों की जान चली गई तो फिर किस बात का जशन मनाया जा रहा है? प्रधानमंत्री मोदी ने देश में कोविड-19 रोधी टीकों की अब तक दी गई खुराक की संख्या 100 करोड़ के पार जाने की उपलब्धि की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत का टीकाकरण अभियान विज्ञान-जनित, विज्ञान-संचालित और विज्ञान-आधारित है, साथ ही इसमें कोई वीआईपी-

संस्कृति भी नहीं है। मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए लोगों से आगामी त्यौहारों के दौरान भी कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने और किसी तरह की लापरवाही न करने की अपील की।

कांग्रेस प्रवक्ता वल्लभ ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री जी ने कुछ ऐसे तथ्य रखे जो आधे-अधूरे थे और गलत भी थे। इनसे वैज्ञानिक समुदाय में भ्रम फैल सकता है। हमारे यहां कहावत है कि नीम-हकीम खतरा-ए-जान। प्रधानमंत्री जी एन्टायर पोलिटिकल साइंस, इवेंटोलॉजी और वस्त्रोलॉजी के बारे में बात कर सकते हैं। लेकिन स्वास्थ्य और महामारी जैसे संवेदशील विषय पर उन्हें गलत जानकारी नहीं देनी चाहिए थी।

वल्लभ ने दावा किया, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार टीके बने हैं। मुझे लगता है कि यह भारत के वैज्ञानिकों, औषधि उद्योग, चिकित्सकों, नर्सों, कोरोना योद्धाओं का अपमान है। सच्चाई यह है कि भारत पहले से ही टीकों के उत्पादन का बहुत बड़ा केंद्र है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, भारत में 1960 के दशक में तपेदिक के नियंत्रण का अभियान शुरू किया था। 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने एक साथ छह बीमारियों के लिए टीकाकरण आरंभ किया, लेकिन कहीं अपना फोटो लगाकर विज्ञापन नहीं किया।

कैप्टन ने मुद्दा उठाया और पंजाब में तैनात हो गई बीएसएफ, डीजीपी से कराएंगे मामले की जांचः सुखजिंदर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से ऐन पहले पंजाब में बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र के विस्तार मामले में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पंजाब के डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह पर आरोप लगाया है कि कैप्टन के हालिया बयान के बाद ही पंजाब में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ाया गया है। रंधावा ने कहा कि वे इस मामले में डीजीपी से जांच कराएंगे। पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए अब बेहद कम वक्त बचा है। अभी से पंजाब में सियासी पारा काफी चढ़ा हुआ है। हाल ही में पंजाब में बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र बढ़ाने के निर्देश पर पंजाब में हलचल तेज है। कुछ दिन पहले सीएम चरणजीत सिंह चननी ने केंद्र सरकार के फैसले की निंदा की थी।

अब सूबे के डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मामले में कैप्टन अमरिंदर सिंह को ही घसीट लिया है। उनका कहना है कि कैप्टन ने कुछ दिन पहले मुद्दा उठाया कि पंजाब में आईएसआई का खतरा है। उसके बाद पंजाब मे बीएसएफ को तैनात कर दिया गया। पंजाब पर केंद्र के फैसले का कैप्टन समर्थन कर रहे हैं। सुखजिंदर सिंह ने एएनआई से बातचीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह के 2016 में दिए

इंटरव्यू का भी जिक्र किया। कहा कि उस वक्त कैप्टन ने बीएसएफ और पाकिस्तानी रेंजर्स के बीच साठगांठ का आरोप लगाया था। अब कैप्टन अमरिंदर सिंह कह रहे हैं कि पंजाब को आईएसआई से खतरा है। जब वह पंजाब के मुख्यमंत्री थे तो पंजाब को कोई खतरा नहीं था। रंधावा ने कहा, कैप्टन अमरिंदर सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक महीने बाद से ही पंजाब को आईएसआई से खतरा हो गया। रंधावा ने साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान से पहले भी तो ड्रोन आते रहे हैं। इसलिए कैप्टन ने पहले इस मुद्दे को उठाया और बाद में पंजाब में बीएसएफ को तैनात किया। हम डीजीपी से इस मामले की जांच कराएंगे।

100 करोड़ वैक्सीनेशन के जश्न के बाद वैज्ञानिकों ने चेताया, बड़ी लहर आने की उम्मीद कम पर महामारी अभी खत्म नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई वैज्ञानिकों ने शुक्रवार को कहा है कि इस बात की उम्मीद बेहद कम है कि भारत में अब कोरोना वायरस की दूसरी लहर जैसी कोई अन्य खतरनाक लहर आएगी। हालांकि, वैज्ञानिकों ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के आकंड़े जरुर घटे हैं लेकिन जरुरी नहीं है कि इसका मतलब यही है कि महामारी खत्म हो गई। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि दीपावली समेत अभी अन्य पर्व आ रहे हैं। कोरोना का ग्राफ गिरना सिर्फ इस बड़े पिक्चर का एक हिस्सा है। अभी जरुरत है बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन ड्राइव चलाते रहने की है। वैज्ञानिकों ने यूके का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कोरोना के अलग वैरिएंट ने फिर से दहशत पैदा की है। भारत में 100 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन दिया जा चुका है। विषाणु विज्ञानी शाहीद जमील ने कहा, वैक्सीनेशन की दर में काफी सुधार हुआ है। लेकिन अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है। लेकिन मैं इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं कि अभी हम महामारी के खत्म होने के स्टेज में पहुंच चुके हैं। हमने 100 करोड़ वैक्सीनेश को सेलिब्रेट किया लेकिन अभी आगे बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हरियाणा स्थित अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जमील ने पीटीआई को भेजे गए एक ईमेल में यह बात कही है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पिछले 3 महीने के दौरान कोरोना के केस धीरे-धीरे घटे है। पहले 40,000 केस प्रतिदिन आते थे और अब यह आकंड़ा 15,000 के आसपास पहुंच गया है। विषाणु विज्ञानी ने बताया कि एनडेमिक स्टेज अभी नहीं आया। उन्होंने कहा कि किसी बीमारी के एनडेमिक स्टेज का मतलब यह है कि जब यह एक निश्चित भू-भाग में मौजूद हो

लेकिन इसका असर बिलकुल न के बराबर हो। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार के आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 के 15,786 नये मामले सामने आने के साथ लगातार 28 वें दिन मामलों में 30,000 से कम की प्रतिदिन की वृद्धि हुई। वहीं, 231 और मौतों के साथ कुल मृतक संख्या बढ़ कर 4,53,042 पहुंच गई। देश के सर्वश्रेष्ठ विषाणु विज्ञानियों में शामिल जमील ने कहा कि देश में मृत्यु दर करीब 1.2 प्रतिशत पर बनी हुई है। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि भारत में टीका कवरेज को और बढ़ाने की जरूरत है। ब्रिटेन की मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी में गणित के वरिष्ठ लेक्चरर मुराद बानजी ने कहा, इस बारे में हाल में कुछ भ्रमित करने वाले दावे किये गये...कुछ समय तक मामले कम रहने का मतलब स्थानिकता से नहीं है। यह संभव है कि देश के कुछ हिस्सों में स्थानिकता करीब है लेकिन इसकी पुष्टि करने के लिए आंकड़े आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा, उदाहरण के तौर पर हम नहीं जानते हैं कि अभी कितनी संख्या में ऐसे लोगों को संक्रमण हो रहा है जो टीका लगवाने से पहले भी संक्रमित हो चुके हैं। महामारी विशेषज्ञ रामनन लक्ष्मीनारायण ने कहा, मेरा मानना है कि देश के समक्ष भविष्य में कोविड-19 का बड़ा खतरा आने का निर्धारण करने से पहले हमे दो महीने इंतजार करना चाहिए।

बानजी ने कहा, चिंता करने वाली यह बात है कि देश के कुछ हिस्सों में निगरानी इतनी खराब है कि यदि संक्रमण के मामले नये सिरे से बढ़ते हैं तो हम इसे आधिकारिक आंकड़ों में नहीं देख सकेंगे।वैज्ञानिकों ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि पारदर्शिता को प्रोत्साहित किया जाए और बेहतर निगरानी की जाए।

जर्मनीः वेश्यावृत्ति कानून का विरोध कर रही हैं सेक्स वर्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी की सरकार ने पांच साल पहले वेश्यावृत्ति संरक्षण अधिनियम को लागू किया था. इसका मकसद यौनकर्मियों को सुरक्षा प्रदान करना था, लेकिन अब वही इस नियम का विरोध कर रही हैं. आखिर क्यों?ओलिविया जर्मनी की राजधानी बर्लिन में रहती हैं. वह पिछले करीब एक दशक से सेक्स वर्कर के तौर पर काम कर रही हैं. इस नए नियम को वह दखलअंदाजी के तौर पर देखती हैं. मुस्कुराते हुए कहती हैं, ठयूं ही नहीं लोग कहते हैं कि यह दुनिया का सबसे पुराना पेशा है. लोग हमेशा सेक्स वर्क करने का कोई न कोई तरीका खोज ही लेंगेठ वेश्यावृत्ति को पेशे के तौर पर अपनाने की उनकी कोई योजना नहीं थी. वह तो रोमांचक जीवन की तलाश में देश के एक छोटे से शहर से बर्लिन चली आई थीं. हालांकि, बाद में दोस्त के कहने पर वह वेश्यावृत्ति के पेशे में आ गईं. अब उनकी उम्र 30 साल होने को है. इस दौरान अब तक उन्होंने करीब

हर तरह का सेक्स वर्क किया है. वह लक्जरी एस्कॉर्ट के तौर पर भी सेवा दे चुकी हैं और इरॉटिक मसाज करने वाली के तौर पर भी. उन्होंने वेश्यालय में भी काम किया है और घर पर भी ग्राहकों को सेवा दी है।

ओलिविया विस्तार से बताती हैं, ठआय और सुरक्षा के लिहाज से कई तरह के लेवल हैंठ उन्होंने अपने काम के दौरान ब्लैक सेक्स वर्कर्स कलेक्टिव के साथ मिलकर एक समुदाय की स्थापना की. ब्लैक सेक्स वर्कर्स अमेरिकी लोगों की एक पहल है. साथ ही, ओलिविया सेक्स वर्कर्स यूनियन की सदस्य भी हैं. इसके बावजूद, वह जर्मनी की उन हजारों सेक्स वर्कर्स में से एक हैं जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है. पिछले पांच वर्षों से वह मुकदमा होने के खतरे के बीच अपना काम कर रही हैं. 90 प्रतिशत का नहीं है रजिस्ट्रेशन ओलिविया ने जब सेक्स वर्कर के तौर पर काम करना शुरू किया था, तब जर्मनी में सेक्स वर्कर्स के अधिकारों को आज की अपेक्षा अच्छी तरह से संरक्षित किया गया था।

अफगानिस्तानः अपनों को जमीन बांटने के लिए शियाओं को जबरन निकाल रहा तालिबान

न्यूयार्क (एजेंसी)। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्लूयू) ने शुक्रवार को कहा कि अफगानिस्तान के कई प्रांतों में तालिबान के अधिकारी अपने समर्थकों को जमीन बांटने के लिए वहां के मूल निवासियों को जबरन विस्थापित कर रहा है। अपनी नवीनतम रिपोर्ट में एचआरडब्लूयू का कहना है कि अधिकतर शिया समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। एचआरडब्लूयू के अनुसार, तालिबान और संबंधित मिलिशिया ने अक्टूबर 2021 के महीने में दक्षिणी हेलमंद प्रांत और उत्तरी बल्ख प्रांत से सैकड़ों हजारा परिवारों को जबरन बेदखल किया। यह दाइकुंडी, उरुजगन और कंधार प्रांतों से पहले बेदखली की रिपोर्ट के बाद सामने आया है। चूंकि तालिबान ने अगस्त के मध्य में सत्ता पर कब्जा कर लिया था, संगठन ने इन पांच प्रांतों में कई निवासियों को अपने घरों और खेतों को छोड़ने के लिए मजबूर किया।

कश्मीर में दुबई सरकार का निवेश करना भारत की इमरान सरकार पर बड़ी जीतः पाक के पूर्व राजदूत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत में पाकिस्तान के राजदूत रहे अब्दुल बासित ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का दुबई सरकार के साथ आर्थिक समझौता पाकिस्तान की इमरान खान सरकार की विदेश नीति के लिए बड़ा झटका है। इससे साबित होता है कि पूरी जमीन पाकिस्तान ने भारत को दे दी है। बीते सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और दुबई सरकार के बीच श्रीनगर के राजभवन में एक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमें जम्मू कश्मीर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और उद्योगों को बढ़ाने के लिए एक समझौता किया गया था। यह एमओयू भारत के लिए एक बड़ी सफलता है।

अपने यूट्यूब ब्लॉग में भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने कहा कि पाकिस्तान और जम्मू और कश्मीर दोनों के संदर्भ में ओआईसी (इस्लामिक सहयोग संगठन) के सदस्यों ने हमेशा कश्मीर पर पाकिस्तान की संवेदनाओं को सबसे आगे रखा है। प्रधान मंत्री इमरान खान की विदेश नीति की आलोचना करते हुए बासित ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि पाक सरकार

इस मामले में फेल साबित हुई है।

2014 से 2017 तक भारत में पाक के राजदूत रहे बासित ने कहा, पाकिस्तान को लगता है कि कश्मीर मुद्दे पर वह अन्य मुस्लिम राष्ट्रो और आईओसी से आगे है। ये हो सकता है कि वे बहुत मुखर नहीं रहे हों, लेकिन उन्होंने कश्मीर पर हमारी भावनाओं के खिलाफ काम नहीं किया है।ठ उन्होंने कहा, ठसमाधान खोजने के प्रयास होने चाहिए। लेकिन क्या यह स्वीकार्य है कि सब कुछ एकतरफा है और जमीन(कश्मीर) भारत को सौंप दी गई है। अब स्थिति यह है कि मुस्लिम राष्ट्र भारत के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को दुबई सरकार से जम्मू कश्मीर प्रशासन के आर्थिक समझौते पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि ये समझौता विश्व के सामने एक नजीर बनेगा। इस समझौते से कश्मीर की सूरत बदलेगी। उन्होंने ये भी कहा था कि दुबई सरकार के साथ हुआ ये समझौता तो उदाहरण है, इसके बाद दुनिया भर के लोग कश्मीर को जानेंगे और यहां निवेश के लिए आगे आएंगे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।
आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025